https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
मंगलवार, 19 अगस्त 2025
वर्ष 17 अंक 341
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 31^0 से.
न्यूनतम : 26^0 से.

jantaunion@gmail.com

रेलवे टेक्नीशियन की मौत का...- 3 | साहब, पैसा लेकर दिलाया जा रहा है मुख्यमंत्री आवास...- 6

सार संक्षेप

रूस की फैक्ट्री में बड़ा धमाका, 20 लोगों की मौत

रियाज़ान (जीएनएस)। रूस के रियाज़ान क्षेत्र में पिछले हफ़्ते एक उत्पादन संयंत्र में हुए एक अज्ञात विस्फोट में मरने वालों की संख्या कम से कम 20 हो गई है और 134 अन्य घायल हुए हैं। मॉस्को के दक्षिण-पूर्व में स्थित रियाज़ान क्षेत्र के गवर्नर पावेल मालकोव ने शुक्रवार को कहा कि यह घटना कारखाने की एक कार्यशाला में आग लगने के कारण हुई। लेकिन रूसी मीडिया रिपोर्टों से यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग किस कारण लगी या कारखाने में वास्तव में क्या उत्पादन हो रहा था। आधिकारिक रूसी सूत्रों ने घायलों की तलाश और उपचार के प्रयासों के अलावा कोई विवरण नहीं दिया। स्थानीय आपातकालीन सेवा मुख्यालय ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि 18 अगस्त तक आपातकालीन घटना के परिणामस्वरूप 20 लोगों की मौत हो गई। 134 घायल हैं, जिनमें से 31 मरीज रियाज़ान और मॉस्को के अस्पतालों में हैं, जबकि 103 मरीज़ों का बाह्य रोगी उपचार चल रहा है।
रियाज़ान में शोक दिवस स्थानीय अधिकारियों ने घोषणा की है कि रियाज़ान क्षेत्र फ़ैक्टरी विस्फोट में मारे गए लोगों के लिए एक दिन का शोक मनाएगा। रियाज़ान के गवर्नर पावेल मालकोव ने टेलीग्राम पर कहा कि पूरे क्षेत्र में झंडे झुका दिए जाएँगे। यह विस्फोट यूक्रेन में रूस के युद्ध के बीच हुआ है जो तीन साल से भी ज़्यादा समय से चल रहा है। शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत के लिए अलास्का में अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की।

एअर इंडिया ने रखरखाव संबंधी समस्या के चलते मिलान-दिल्ली उड़ान रद्द की

नई दिल्ली (जीएनएस)। एअर इंडिया ने एक बयान में कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बयान में कहा गया है, 16 अगस्त को मिलान से दिल्ली के लिए प्रस्तावित उड़ान संख्या एआई138 को 'पुशबैक' के दौरान सामने आए रखरखाव संबंधी कार्य के कारण रद्द कर दिया गया।
पुशबैक' का मतलब विमान को हवाई अड्डे पर पार्किंग की जगह से पीछे की ओर धकेलने की प्रक्रिया से है। यह प्रक्रिया जमीन पर मौजूद कर्मचारियों को विमान को सुरक्षित तरीके से और कुशलता से गेट से दूर करने की अनुमति देती है। बयान में कहा गया है, मिलान में हमारी 'ग्राउंड टीम' ने सभी प्रभावित यात्रियों को तत्काल सहायता प्रदान की, उन्हें होटल में ठहराया और उनके द्वारा चुने गए विकल्प के आधार पर उन्हें टिकट रद्द कराने पर पूरा किराया वापस करने या यात्रा पुनर्निर्धारित करने की सुविधा दी

झारखंडः आवासीय विद्यालय के छात्रावास में लगी आग, 25 लड़कियां बाल-बाल बचीं

लातेहार (जीएनएस)। झारखंड के लातेहार जिले में सोमवार सुबह एक आवासीय विद्यालय के छात्रावास के एक कमरे में आग लग गई। इस घटना में कम से कम 25 छात्राएं बाल-बाल बच गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बरियातू की इन छात्राओं के बिस्तर और अध्ययन सामग्री आग में जलकर नष्ट हो गई।

ट्रम्प से मिलने से पहले और मिलने के बाद पुतिन ने किया मोदी को फोन, महाशक्तियों की कूटनीतिक गतिविधियों के केंद्र में है भारत

नई दिल्ली (जीएनएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच गहरी व्यक्तिगत और राजनीतिक समझ बार-बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सामने आई है। पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात से पहले और बाद में, दोनों अवसरों पर मोदी को फोन किया और अपने आकलन से अवगत कराया। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि भारत, रूस की कूटनीतिक प्राथमिकताओं में कितना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पुतिन और मोदी के बीच संवाद केवल औपचारिक नहीं, बल्कि विश्वास और मित्रता पर आधारित है।
देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह भारत को किसी एक ध्रुव में बाँधकर नहीं रखते। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी (क्वार्ड, रक्षा समझौते, तकनीकी सहयोग) को वह मज़बूती देते हैं। रूस के साथ ऐतिहासिक रक्षा और ऊर्जा सहयोग को वह गहराई से बनाए रखते हैं। चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और टकराव के बावजूद संवाद और सहयोग के रास्ते खुले रखते हैं। यह रणनीति भारत को वैश्विक राजनीति में संतुलनकारी शक्ति की भूमिका देती है।
जहां तक पुतिन की ओर से आज किये गये फोन कॉल की बात है तो आपको बता दें कि रूस के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई बैठक को लेकर अपने आकलन साझा किये। पुतिन के साथ फोन पर बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के साथ संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान संबंधी भारत के रुख को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की हमेशा अपील की है और इस संबंध में सभी प्रयासों का समर्थन किया है।
दूसरी ओर, पुतिन-ट्रंप वार्ता के तुरंत बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा और अजीत डोभाल के साथ सीमा विवाद पर वार्ता यह दिखाती है कि भारत इस समय महाशक्तियों की कूटनीतिक गतिविधियों के केंद्र में है। गलवान घाटी के बाद से भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण रहे हैं, लेकिन अब उच्चस्तरीय संवाद के जरिए नई विश्वास बहाली पर चर्चा हो रही है। वांग यी की यह यात्रा केवल द्विपक्षीय वार्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संकेत भी देती है कि चीन भारत के साथ टकराव कम करके सहयोग की संभावनाएँ तलाशना चाहता है। इस यात्रा का समय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी महीने के अंत में चीन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं।
हम आपको यह भी याद दिला दें कि कुछ समय पहले रूस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि भारत, रूस और चीन का त्रिगुट (आरआईसी) फिर से सक्रिय होना चाहिए। रूस के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच उसे एशियाई ताकतों का साथ चाहिए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने 7 एलकेएम आवास पर शुभांशु शुक्ला से की मुलाकात

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के पायलट थे। बैठक के दौरान शुक्ला ने प्रधानमंत्री मोदी को एक्सिओम-4 मिशन पैच भेंट किया और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से ली गई पृथ्वी की तस्वीरें साझा कीं। शुक्ला, जो एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरिक्ष उड़ान भरने वाले दूसरे भारतीय बन गए थे, रविवार तड़के भारत लौटे और उनका भव्य स्वागत किया गया। लाल किले पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन विकसित कर रहा है और उन्होंने यह भी बताया कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला एक अंतरिक्ष मिशन से लौट आए हैं। मोदी ने कहा था, हमारे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष स्टेशन से लौट आए हैं। आने वाले दिनों में, वह भारत लौट रहे हैं। शुक्ला की भारत वापसी के उपलक्ष्य में सोमवार को लोकसभा में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री - 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका विषय पर एक विशेष चर्चा भी हुई।

मुंबई में आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट जारी किया, सभी स्कूल-कॉलेज रहेंगे बंद

मुंबई (जीएनएस)। मुंबई शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में कल भारी बारिश की भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की रेड अलर्ट चेतावनी के मद्देनजर, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने घोषणा की है कि शहर और उपनगरों के सभी सरकारी, निजी और नगरपालिका स्कूल और कॉलेज आज बंद रहेंगे। बीएमसी द्वारा साझा की गई एक पोस्ट में कहा गया है,भारी बारिश, जलभराव और यातायात बाधित होने की संभावना को देखते हुए, छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एहतियाती कदम के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। इस बीच, मुंबई में सोमवार सुबह से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण दृश्यता कम होने और कुछ जगहों पर जलभराव के कारण लोकल ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मेनलाइन और हार्बरलाइन, दोनों ही लगभग 10 से 15 मिनट की देरी से चल रही हैं। प्रशासन हाई अलर्ट पर है और भारी बारिश में किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं। मध्य रेलवे के सीपीआरओ डॉ स्वप्निल धनराज नीला ने कुछ स्थानों पर जलभराव की समस्या के बारे में स्थानीय समाचार का हवाला दिया और कहा अब तक उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, हार्बर लाइन पर केवल 3-4 स्टेशनों कुर्ला, चेंबूर, तिलकनगर में जलभराव की कुछ समस्याएं हैं और इन स्टेशनों पर बिंदुओं को बंद कर दिया गया है और हार्बर लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही लगभग 10-15 मिनट देरी से चल रही है। मुख्य लाइन पर, देरी लगभग 8-10 मिनट है, लेकिन यह मुख्य रूप से भारी बारिश के कारण कम दृश्यता के कारण कम गति के कारण है, जो कर्जत से कल्याण, कसारा से कल्याण, साथ ही कल्याण से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तक विभिन्न स्थानों पर रिपोर्ट की गई है।

20 अगस्त को नामांकन दाखिल करेंगे एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन दिल्ली पहुँचे और हमने एनडीए के नेताओं के साथ एक परिचयात्मक बैठक की। हमें बहुत गर्व है कि सीपी राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। एनडीए गठबंधन के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। हमें उम्मीद है कि सभी दल उन्हें समर्थन देंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सीपी राधाकृष्णन 20 अगस्त को उपराष्ट्रपति का नामांकन दाखिल करेंगे।
रिजिजू ने कहा कि एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीपी राधाकृष्णन का नामांकन 20 अगस्त को सुबह 11 बजे दाखिल किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सभी नेता नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने राधाकृष्णन को अपनी शुभकामनाएँ दीं और उनके दशकों के सार्वजनिक सेवा कार्यों का उल्लेख किया।

लोकसभा में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पर विशेष चर्चा, एसआईआर पर विपक्ष का हंगामा जारी

नई दिल्ली (जीएनएस)। विपक्षी सदस्यों के बार-बार व्यवधान के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर निर्धारित विशेष चर्चा भी बाधित रही। भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025 पारित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इस साल 30 जून तक नियामक और भू-राजनीतिक मुद्दों के कारण 5,706 उड़ानें रद्द की गई। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर में विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।
संसद ने सोमवार को बंदरगाह क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले भारतीय पत्तन विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी तथा केंद्रीय पत्तन परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पाने में बंदरगाह क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने में इस प्रस्तावित कानून की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा और मंत्री सोनोवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार, संबित पात्रा बोले- इन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी सिंहासन लगती है

नई दिल्ली (जीएनएस)। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों और विपक्ष के आरोपों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज मैं देख रहा था कि अनेक राजनीतिक पार्टियों के लोग बैठकर प्रेस वार्ता कर रहे थे। मैं पूछना चाहता हूं कि आपकी खंडपीठ बड़ी है, या सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ बड़ी है। उन्होंने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने स्थ्रक्र पर रोक नहीं लगाई है, तो आप कौन सी खंडपीठ हैं, ?जो घोषणा कर रहे है कि चोरी हो रही है। ये दिखाता है कि संवैधानिक संस्थाओं के साथ आप खिलवाड़ करते हैं।
विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए पात्रा ने कहा कि सिर्फ चुनाव आयोग ही नहीं, देश की ऐसी कोई संवैधानिक संस्था नहीं बची है, जिस परकांग्रेस परिवार व कांग्रेस परिवार के इर्द-गिर्द घूम रहे परिवारों ने हमला न किया हो। याद कीजिए, ये वही लोग है जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर अंगुली उठा दी थी।

25 वर्षों की मेहनत को ट्रंप ने मिट्टी में मिला दिया, भारत से तनातनी को एक्सपर्ट ने बताया अमेरिकी विदेश नीति की सबसे बड़ी भूल

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा पाकिस्तान के साथ तेल समझौते को अंतिम रूप देते समय रूसी तेल ख़रीदने के लिए भारत को दंडित करने के फ़ैसले से नई दिल्ली में विश्वास की कमी आई है। अपने विश्लेषण में ज़कारिया ने कहा कि यह अमेरिका और भारत के संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। ट्रंप 2.0 की सबसे बड़ी विदेश नीतिगत भूल पर अपने एक विश्लेषण में, ज़कारिया ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में भारत के प्रति अमेरिका की रणनीतिक पहल द्विदलीय रही है, लेकिन सावधानीपूर्वक बनाई गई कूटनीतिक प्रगति को ट्रंप 2.0 ने कुछ ही हफ़्तों में नष्ट कर दिया है। इस बीच, उन्होंने तर्क दिया कि भारत वाशिंगटन से दूरी बनाना शुरू कर सकता है और अपने वैश्विक गठबंधनों की फिर से जाँच कर सकता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुपक्षीय हो गए हैं।

सरकारी संपत्ति तोड़ने का अधिकार नहीं, निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी, विपक्ष को ओम बिरला की चेतावनी

नई दिल्ली (जीएनएस)। लोकसभा में नारेबाजी कर रहे विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को उनसे कहा कि वे जिस तीव्रता से नारे लगाते हैं, उसी तीव्रता से सवाल भी उठाएं। उन्होंने कहा कि इससे देश के लोगों को कुछ लाभ होगा। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सांसदों से कहते सुने जा सकते हैं कि जिस ज़ोर से आप नारे लगा रहे हैं, उसी ज़ोर से सवाल भी पूछेंगे तो देश की जनता का भला होगा। जनता ने आपको सरकारी संपत्ति नष्ट करने के लिए नहीं भेजा है और मैं आपसे अनुरोध करता हूँ और आपको चेतावनी देता हूँ कि किसी भी सदस्य को सरकारी संपत्ति नष्ट करने का विशेषाधिकार नहीं है।

पाक सेना की करतूत देख चौंक गई दुनिया

भारत के डर से ईरान सीमा में जा छुपी मुनीर की आर्मी

नई दिल्ली (जीएनएस)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान कितनी बुरी तरीके से हारा है। इसका सबूत पहली बार तस्वीरों के जरिए सामने आई है। कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई है जो ये दर्शाती है कि कैसे पाकिस्तान ने मुंह की खाई है। जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा था तो पाकिस्तान की सेना ईरान के शरण में जा पहुंची थी। मीडिया रिपोर्ट में कुछ सैटेलाइट तस्वीरें जारी की गई हैं और बताया गया कि पाकिस्तान की तीनों सेनाएं किस कदर डर गई थीं और उनके अंदर इतना खौफ आ गया था, जब भारत की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया जा रहा था। मिसाइलें दागी जा रही थी और उनके आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया जा रहा था। आतंकियों को कुचला जा रहा था, उस दौरान वहां की सेना या तो बंकरों में छुप रहे थे या फिर ऐसी जगह जा रहे थे कि वो भारतीय टारगेट से बच पाएं और खुद को सुरक्षित रख पाएं।
सैटेलाइट तस्वीरों में बताया गया कि 6 और 7 मई की दरम्यानी रात को, भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवाद से जुड़े नौ ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसके बाद नई दिल्ली ने इस्लामाबाद के डीजीएमओ को सूचित किया कि उसका मिशन पूरा हो गया है।।
सैटेलाइट तस्वीरों के अनुसार पाकिस्तानी नौसेना (पीएन) के युद्धपोतों को कराची स्थित अपने नौसैनिक गोदी से हटाकर वाणिज्यिक टर्मिनलों पर खड़ा कर दिया गया था। इस बीच, अन्य युद्धपोत भारत की ओर पूर्व की ओर जाने के बजाय, ईरानी सीमा से बमुश्किल 100 किलोमीटर दूर, अपने पश्चिमी बंदरगाह ग्वादर में शरण लेते दिखाई दिए।

हैदराबाद में निकल रही थी जन्माष्टमी रथ यात्रा, अचानक गिरी बिजली की तार

हैदराबाद (जीएनएस)। हैदराबाद के रामंतपुर इलाके में कृष्ण जन्माष्टमी समारोह के दौरान एक रथ के हाई-टेंशन बिजली के तारों की चपेट में आने से पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह घटना रविवार देर रात एक बजकर 30 मिनट पर रामनाथपुर इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।
पुलिस ने बताया कि इस वाहन में भगवान की मूर्तियां रखी थीं और यह वाहन ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार से टकरा गया जिसके बाद तार टूटकर वाहन पर गिर गया। घटना में घायल हुए चार लोगों का अस्पताल में उपचार जारी है।
उप्पल पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा, कल रात श्री कृष्ण जन्माष्टमी जुलूस के दौरान बिजली का झटका लगने से पाँच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। घायलों को आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।
पीड़ितों की पहचान कृष्णा यादव (21), सुरेश यादव (34), श्रीकांत रेड्डी (35), रुद्र विकास (39) और राजेंद्र रेड्डी (15) के रूप में हुई है। हादसे में घायल हुए चार अन्य लोगों का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

थमेगा जिला अस्पताल से मरीजों को रैफर करने का सिलसिला

■ 17 करोड़ की लागत से तैयार हो रहा है क्रिटिकल केयर सेंटर

जनता यूनियन मथुरा । जिला अस्पताल से मरीजों को रेफर करने का सिलसिला थमेगा। जिला चिकित्सालय से मरीजों को रेफर करनी अब कम ही नौबत आएगी। क्रिटिकल स्टेज में मरीज का जीवन बचाने के लिए यह समय गोल्डन आवर होते हैं, इस दौरान नजदीक और जल्द अच्छी उपचार व्यवस्था मिलने पर मरीज की जान बच सकती है। जिला चिकित्सालय में परिसर में 17 करोड़ की लागत से इन्फ्रास्ट्रेक्चर मिशन योजना के अंतर्गत 50 बेड के क्रिटिकल केयर सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। काम बहुत तेजी से चल रहा है और अगले वर्ष में सेंटर जिला अस्पताल को मिलने की पूरी उम्मीद है। आग से झुलसे और जले मरीजों के लिए अभी जिला अस्पताल में अलग से वार्ड है लेकिन सुविधाएं बेहद सीमित हैं, हार्ट अटैक और एक्सीडेंट के मरीजों को भी जल्द और अच्छा इलाज संभव होगा। जिला अस्पताल से मरीजों को हालत गंभीर बता कर रेफर करने की परंपरा सी बन गई है। रेफर किये जाने के बाद मरीज और तीमारदारों के सामने परेशानी खड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों जब मरीज की हालत गंभीर है और उसे तत्काल क्रिटिकल केयर की आवश्यकता है। इस स्थिति में जिला चिकित्सालय से रेफर की पर्ची मरीज के तीमारदारों को थमा दी जाती है।

जिला चिकित्सालय से अधिकांश मामलों में आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए मरीज को रेफर किया जाता है। इसके अलावा कुछ लोग मिन्नत कर जयपुर के एसएमएस के लिए भी रेफर करा ले जाते हैं। इस स्थिति में कई मरीजों की समय से सही इलाज नहीं मिलने के चलते मौत भी हो जाती है। सीएमएस का यह भी कहना है कि जिला चिकित्सालय में 24 घंटे चिकित्सकों की उपलब्धता भी बढ़ेगी और जिला अस्पताल के पास मानव संसाधन भी अधिक होंगे। जिससे मरीजों को बेहतर और बेहत स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा सकेंगी। क्रिटिकल केयर सेंटर की लम्बे समय से मांग चल रही थी जो अब पूरी होने जा रही है। बर्न, एक्सीडेंटल और हार्ट अटैक के मरीजों के उपचार में सहूलियत होगी।

डराती है उफनती यमुना

जनता यूनियन मथुरा । यमुना नदी का पानी लगातार बढ रहा है। मथुरा में विश्राम घाट पर आरती स्थल तक पानी पहुंच गया है। सोमवार को विश्राम घाट स्थित यमुना मैया और यमराज के मंदिर तक पानी पहुंच गया था। पुलिसकर्मी ऐसे स्थानों पर तैनात कर दिये गये हैं जहां यमुना किनारे लोगों का आवागमन बना रहता है। यमुना घाटों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस कर्मी लाउडस्पीकर से लगातार मुनादी कर रहे हैं। लोगों चेतावनी दी जा रही है कि यमुना में जाने से बचें। घाटों से दूर रहें। वहीं जयसिंह पुरा खादर में भी यमुना का पानी पहुंच गया है। कंट्रोल रूम के जरिये सभी तहसीलों से मजिस्ट्रेट और थानों के माध्यम से नज़र रखी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए पार्षदों ने नगर आयुक्त का किया सम्मान

जनता यूनियन मथुरा । रक्षाबंधन, 15 अगस्त एवं श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर नगर निगम मथुरा द्वारा उत्कृष्ट सफाई एवं व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए नगर निगम के आयुक्त जग प्रवेश को गुलदस्ता देकर पार्षदों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। इस अवसर पर पार्षद पति तिलकवीर चौधरी पार्षद हनुमान पहलवान राजीव कुमार सिंह मुन्ना मलिक कुलदीप पाठक हेमंत गोयल खंदौली दिनेश राजेश भाटिया मौजूद रहे।

टीटीई ने दिया ईमानदारी का परिचय

जनता यूनियन मथुरा । एकता नगर निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 20946 में छूटे यात्री के मोबाइल नंबर संपर्क कर पर्स को लौटा कर टीटीई ने ईमानदारी का परिचय दिया। कोटा निवासी प्रियदर्शन मेघवाल एकता नगर एक्सप्रेस में बड़ोदरा से कोटा के लिए ए-1 कोच की सीट संख्या 29 पर यात्रा कर रहे थे। ट्रेन जब कोटा स्टेशन पहुंची तो प्रियदर्शन वहां उतर गए। उनका पर्स सीट पर ही छूट गया। टीटीई जेपी सिंह जब कोच में पहुंचे तो उन्हें सीट पर एक पर्स मिला। टीटीई ने पर्स को अपने कब्जे में ले लिया। पर्स में मिले कागजों के आधार पर टीटीई जेपी सिंह ने यात्री की पहचान कर उनसे संपर्क साधा और उन्हें बताया कि पर्स उनके पास है। पर्स के बारे में पूरी जानकारी जुटाने के बाद टीटीई जेपी सिंह ने यात्री को पर्स वापस कर ईमानदारी का परिचय दिया इस पर प्रियदर्शन मेघवाल ने उनका दिल से आभार व्यक्त किया।

शार्ट सर्किट से लगी मकान में आग

जनता यूनियन मथुरा । कोतवाली क्षेत्र में एक मकान में आग लग गई। आग से घर का सामान जलकर नष्ट हो गया। हालांकि किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के बाद आसपास के लोग भी भयभीत हो गये। लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन वह इस में सफल नहीं हुए। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के चलते मकान में आग लगी है। गनीमत रही की कोई जनहानि नहीं हुई। आग देखकर महिला बच्चे घर से बाहर निकल गए स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को जानकारी दी।

चलती बस में चढने के प्रयास में गई युंवक की जान

जनता यूनियन मथुरा । चलती बस में चढ़ते समय युवक का पैर फिसल गया। हादसे में युवक की दर्दनाक हादसे में मृत्यु हो गई। युवक गोवर्धन परिक्रमा करने आया था। पैर फिसलने के बाद युवक बस के टायर के नीचे आ गया। बस का टायर उनके सिर के ऊपर से निकल गया। मैनपुरी के तहसील करहल थाना बरनाल के गांव नगला दौलत निवासी 35 वर्षीय भूरे अपने साथियों के साथ गोगामेड़ी गोरखनाथ मंदिर राजस्थान से गोवर्धन गिरिराज महाराज की परिक्रमा करने आए थे। परिक्रमा पूरी करने के बाद सभी निजी बस से वापस जा रहे थे।

मथुरा के जल स्रोतों पर जलकुंभी का अवैध कब्जा

जनता यूनियन मथुरा । जलकुंभी ने जल स्रोतों पर अवैध कब्जा जमा लिया है। यहां तक सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत विकसित किये गये अमृत सरोवर भी जलकुंभी के आगे दम तोड़ रहे हैं। जनपद के कुंड, तालाब, रजवाह और नहर जलकुंभी से अटे पडे हैं। नीले फूल और चिकने पत्तों वाला यह पौधा अब मुसीबत बन रहा है। फरह क्षेत्र के पिपरी गांव में गोवर्धन ड्रेन में फैली जलकुंभी ने एक किसान की भैंस की जान ले ली। किसान बीपी सिंह की भैंस पानी पीने के दौरान जलकुंभी और कीचड़ में फंस गई। ग्रामीणों ने पूरी कोशिश की, लेकिन भैंस को बाहर नहीं निकाल सके और उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि गोवर्धन ड्रेन की जलकुंभी की समस्या नई नहीं है।

मथुरा रिफाइनरी में हर्षोल्लास से मना 79वां स्वतंत्रता दिवस

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा रिफाइनरी ने बड़े जोश और देशभक्ति के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। रिफाइनरी नगर के सहस्त्राब्दी स्टेडियम मे आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत श्री मुकुल अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख द्वारा तिरंगा फहराने से हुई।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी संघ व ओफ़ीसर्स एसीसिएशन के पदाधिकारियों, कमांडेंट-सीआईएसएफ, ग्राम प्रधानों एवं पार्षदों, केंद्रीय विद्यालय और दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्यों, दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार विजेताओं, प्रतिभा सम्मान/सामुहिक उपलब्धि, सी आई एस एफ और डी जी आर के श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जवान और स्कूली बच्चों की सभा को बधाई देते हुए कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख, श्री अग्रवाल ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमें स्वतंत्रता का उपहार देने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारतीय दुनिया भर में हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहे हैं और विकसित भारत की ओर अग्रसर हैं।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह के दौरान केन्द्रीय विद्यालय और डीपीएस के छात्र- छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन ने माहौल को राष्ट्रवादी जोश से भर दिया। सीआईएसएफ द्वारा रिफ़्लेक्स डेमो का भी सराहनीय प्रदर्शन किया गया । प्रतिभा सम्मान और सामूहिक उपलबधी सम्मान विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए सराहना मिली और निगम के साथ 15 साल की लंबी सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख द्वारा सम्मानित किया गया। चुनिन्दा सी आई एस एफ जवानों एवं डी जी आर गार्ड्स को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्री पुराण प्रकाश जी, विधायक बलदेव की भी गरिमामय उपस्थिती रही। उन्होने स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों और सुरक्षा बालों को नमन किया।

रंगनाथ मंदिर में मनाया भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा के वृंदावन में स्थित दक्षिण भारतीय शैली के रंगनाथ मंदिर में सोमवार की देर रात भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव मनाया गया। यहां नक्षत्र को प्रधानता देते हुए श्री कृष्ण जयंती उत्सव सोमवार को मनाया गया। देर रात भगवान का पांचरात्र विधि से अभिषेक किया गया। इसके बाद लड्डू गोपाल को सोने से बने झूले में विराजमान किया गया। जहां भक्तों ने अपने लाडले को खूब झुलाया।

सोमवार की देर रात रंगनाथ मंदिर में भगवान लड्डू गोपाल का अभिषेक किया गया। पुजारियों ने पहले मंत्रों से अभिषेक की सामग्री रखे चांदी के बर्तनों को शुद्ध किया। इसके बाद शुरू हुआ अभिषेक। सबसे पहले यमुना जल से भगवान का अभिषेक किया। इसके बाद पंचामृत अभिषेक हुआ। करीब आधा घंटे तक चले 9 कलशों से अभिषेक किया। पंचामृत अभिषेक के पश्चात भगवान को चन्दन लगाया और तुलसी की माला पहनाकर आरती की गई। इसके बाद मंदिर के पुजारियों ने रघुनाथ स्वामी जी के नेतृत्व में पाठ किया। भगवान का पाठ के माध्यम से आव्हान करने के बाद सहस्त्रधारा अभिषेक हुआ।

खाली पडे प्लाट के विवाद में चली फायरिंग, आठ आरोपी गिरफ्तार

जनता यूनियन मथुरा । जमीनी विवाद में थाना रिफाइनरी क्षेत्र की मीरा नगर कॉलोनी में दो पक्ष आमने सामने आ गये। दोनों पक्षों के बीच जमकर हंगामा हुआ। बताया जा रहा है कि इस दौरान फायरिंग भी हुई। विवाद और जानलेवा हमले की सूचना मिलने के बाद थाना रिफाइनरी पुलिस मौके पर पहुंच गई और झगड रहे दोनों पक्षों के आठ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के पहुंचने के बाद भी ये लोग भागे नहीं इनके हाथों में अवैध हथियारों व लाठी डंडों लगे हुए थे। मीरा नगर कालौनी के खाली प्लाट पर विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। देखते ही देखते पथराव और मारपीट के साथ फायरिंग भी शुरू हो गई। स्थानीय लोगों में अफरा तफरी मच गई और सूचना थाने पहुंचते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर हमलावरों को पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में प्रथम पक्ष से सिद्धान्त सिंह पुत्र सेनापति सेनापति पुत्र विजय सिंह निवासी मीरा नगर कालौनी तथा हर्ष राठौर पुत्र अनुज सिंह निवासी बुद्ध विहार कालौनी थाना हाईवे शामिल हैं।

स्वामी रामभद्राचार्य जी ने बताया - सनातन धर्म का योद्धा

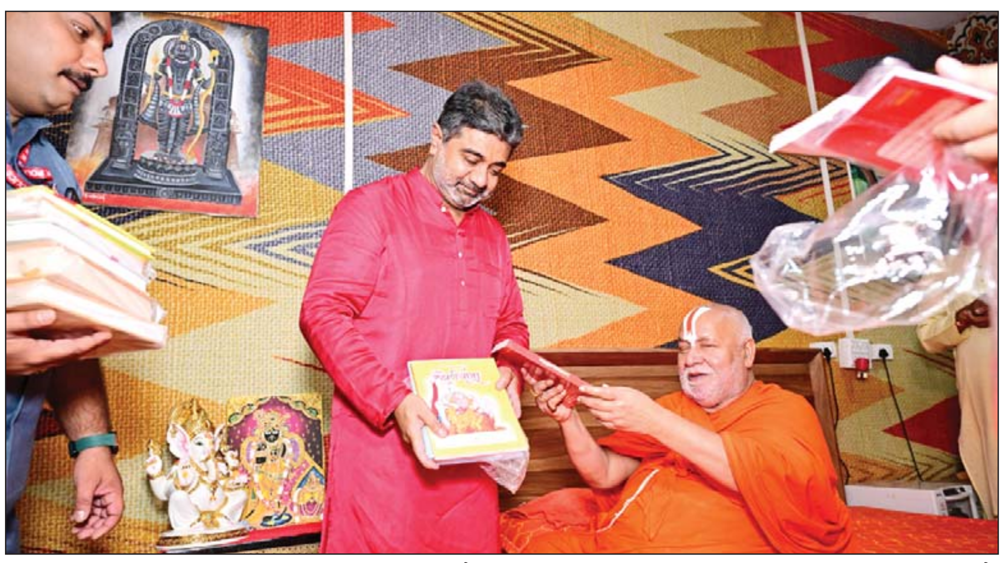

जनता यूनियन मथुरा । पवित्र नगरी वृंदावन में शिवसेना (एनडीए गठबंधन) के मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक एवं चुनाव प्रभारी डॉ. अभिषेक वर्मा ने जगद्गुरु तुलसीपीठाधीश्वर पूज्यपाद स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज से आत्मीय भेंट की।

इस भेंट के दौरान डॉ. वर्मा ने पूज्य स्वामी जी को अपने पिताश्री एवं प्रख्यात साहित्यकार श्रीकांत वर्मा जी द्वारा लिखित प्रसिद्ध उपन्यास 'मगध' स्मृति स्वरूप भेंट किया। साथ ही उन्होंने भगवान गणेश की एक सुंदर प्रतिमा भी समर्पित की। स्वामी रामभद्राचार्य जी ने इस अवसर पर स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वे श्रीकांत वर्मा जी को व्यक्तिगत रूप से जानते थे और उनकी कविताओं एवं साहित्यिक रचनाओं से भली-भांति परिचित हैं। उन्होंने श्रीकांत वर्मा जी की साहित्यिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय साहित्य का अमूल्य धरोहर बताया।

यमुना में स्टीमर, नौका चला रहे लोगों के वेरिफिकेशन की उठी मांग

जनता यूनियन मथुरा । यमुना में नाव और स्टीमर चलाने वालों के लिए मानक तय करने वालों और नियमित वैरीफिकेषन करने की मांग उठी है। यह उस घटना के बाद है जब एक स्टीमर चालक ने बीच यमुना में स्टीमर में बैठे लोगों से पैसे की मांग की और उन्हें डराया। विश्राम घाट पर एक स्टीमर चालक की करतूत से हड़कंप मच गया। सम्भल और बदायूं से आए श्रद्धालु स्टीमर से यमुना दर्शन कर रहे थे। नशे में धुत चालक ने बीच नदी में स्टीमर रोक दी। वह यात्रियों से जबरन अतिरिक्त पैसे मांगने लगा। विरोध करने पर चालक ने यात्रियों को धमकी दी। उसने कहा कि अतिरिक्त रुपये नहीं मिले तो यमुना में कूदकर सभी को डुबो देगा। चालक ने गुस्से में स्टीमर को जोरजोर से हिलाना शुरू कर दिया। इससे श्रद्धालुओं में भगदड़ मच गई।

राधा कालिंदी कुंज ने अनूठे तरीके से मनाया नंदोत्सव

जनता यूनियन मथुरा । जयसिंहपुरा मथुरा स्थित राधा कालिंदी कुंज वेलफेयर सोसायटी ने नन्दोत्सव को कुछ अनूठे अंदाज में ही मनाया। पूरी कालोनी में नन्दबाबा और यशोदा मैया की बाल स्वरूप कन्हैया के साथ शोभायात्रा निकाली गई।बैंड बाजों की धुन पर कॉलोनी निवासी और सभी भक्तगण नाचते झूमते हुये पूरी मस्ती में एक दूसरे को नन्द घर आनन्द भये और यशोदा जायो ललना की बधाई देते चल रहे थे। जगह जगह मेवा मिष्ठान की खातिरदारी अपने आप मे द्वापर युग के नन्द घर आनन्द भये की अनुभूति करा रही थी।

संस्कृति विवि में विद्यार्थियों ने कुम्हारों के शिल्प को दिया सुंदर रूप

जनता यूनियन मथुरा । संस्कृति विश्वविद्यालय में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग स्कूल के छात्रों ने मिट्टी से बने सुंदर हस्तशिल्पों को सजाया और प्रदर्शित किया। भारत के कुम्हारों की कला को सम्मान देने के उद्देश्य से उनके बनाए शिल्पों को प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से स्थान दिया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य अपने देश की मिट्टी से सुंदर शिल्प तैयार करने वाले कुम्हारों के श्रम और उनकी भावनाओं को सामने लाना था। कुम्हारों द्वारा तैयार किए गए प्रदर्शों को विद्यार्थियों ने सजाकर सुंदर रूप दिया और इनकी प्रदर्शनी लगाई। इस आयोजन ने उन कुम्हारों की भावनाओं को भी छुआ, जो सादगी से मिट्टी में जान डालते हैं। उन्हें अपनी कला प्रस्तुत करने के लिए संस्कृति विश्वविद्यालय ने एक मंच दिया। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए संस्कृतु विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने संदेश दिया कि यह आयोजन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को समर्पित है, जिसमें मिट्टी की खुशबू और कुम्हारों की कला झलकती है।

दो दिवसीय अक्रूर जी रथ महोत्सव

जनता यूनियन मथुरा । श्री अक्रूर रथ महोत्सव ट्रस्ट रजिस्टर्ड मथुरा की एक साधारण सभा की बैठक गोविंद नगर स्थित कांति देवी धर्मशाला पर दयाशंकर गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें अक्रूर जी रथ महोत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा के संदर्भ में विचार विमर्श किया गया एवं रूपरेखा तय की गई बैठक में सर्वसम्मति से सभी लोगों ने एक मत से दो दिवसीय कार्यक्रम 20 एवं 21 सितंबर को रथ महोत्सव कार्यक्रम करने की सहमति प्रदान की जिसमें 20 सितंबर को प्रातः काल अक्रूर मंदिर पर समाज की सद्बुद्धि एवं शांति के लिए हवन यज्ञ एवं अभिषेक का कार्यक्रम अक्रूर धाम वृंदावन पर निर्धारित किया गया जिसके मुख्य यजमान के रूप में डॉक्टर कमलेश मोहन वार्ष्णेय रहेंगे।

रेलवे टेक्नीशियन की मौत का मामला : पत्नी, भाई व जीजा पर मुकदमा दर्ज

■ बेटे ने पत्नी को जीजा के साथ देखा था आपत्तिजनक स्थिति में

झांसी जयूसं। रेलवे टेक्नीशियन की मौत के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। मृतक के पिता का आरोप है कि उसके बेटे ने पत्नी व उसके जीजा को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसके बाद ही उसके बेटे को डराया धमकाया जा रहा था। पत्नी, भाई व जीजा के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। फतेहपुर के थाना चांदपुर के ग्राम बाबूपुर निवासी जगत नारायण ने बताया कि उसका पुत्र रवि प्रकाश रेलवे में झांसी में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत था। बेटे प्रेमनगर थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा मोहल्ले में किराए के मकान में रहता था। उसकी शादी अक्तूबर 2023 में फतेहपुर के ग्राम पतारी निवासी अंकिता के साथ हुई थी। पिता ने बताया कि उसके पुत्र ने अपनी मौत के दो माह पहले पत्नी व उसके जीजा को किराए के मकान में आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। इसको लेकर पति-पत्नी में काफी विवाद हुआ था। पत्नी, उसके भाई व जीजा ने उसके पुत्र को कहीं शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस बारे में बेटा रवि प्रकाश ने उनको जानकारी दी थी। रवि को विपक्षियों ने धमकाया था या तो खुशकुशी कर लो नहीं तो रक्षाबंधन के पहले उसकी व्यवस्था कर दी जाएगी।

पिता का कहना है कि 9 अगस्त की सुबह उससे बात हुई मगर उसके बाद उसका फोन रिसीव नहीं हुआ था। मकान मालिक से संपर्क करने पर पता चला कि उसके बेटे की मौत हो चुकी थी। जब परिवार वाले उसके किराए के कमरे पर पहुंचे तो पुलिस शव को ले जा चुकी थी। कमरे में सारा सामान बिखरा पड़ा था। साथ ही काफी मात्रा में खून भी पड़ा था। पोस्टमार्टम कक्ष में जाकर देखा तो शव पर चोट के निशान थे। पिता जगत नारायण ने आशंका जताते हुए बताया कि विपक्षियों की प्रताड़ना से परेशान होकर उसके पुत्र रवि प्रकाश अधिक तनाव में था। इसी के चलते उसके बेटे की मौत हुई है। पुलिस ने आरोपी पत्नी अंकिता, उसका भाई शिवम व जीजा अनूप के खिलाफ विभिन्न दफाओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विभिन्न क्षेत्रों से आई छड़ियों का जगह-जगह किया गया स्वागत

झांसी जयूसं। श्री जाहर वीर गोगा देव महाराज समिति के तत्वावधान में श्री गोरख टीला (नानाभाऊ) के बगीचे के सामने वार्ड नं. 50 पिछोर रोड बाहर बड़ागांव गेट श्री सखी के हनुमान रोड पर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों से आई छड़ियों (निशानों) का समिति के संयोजक अशोक प्याल द्वारा बाहर लक्ष्मी गेट क्षेत्र में स्वागत किया गया। रानी महल से प्रारम्भ यात्रा सुभाष गंज, बड़ा बाजार, गांधी रोड आदि मार्गो से भ्रमण के दौरान राजेन्द्र भगत एवं विष्णु भगत द्वारा , रानी महल से स्व.लक्ष्मी नारायण उर्फ लल्लन भगत व हरिजन कालौनी हंसारी क्षेत्र की अशोक उस्ताद भगत नई बस्ती , सतीश नरवारे एवं अन्दर सैयर गेट प्रकाश भगत की छड़ियों (निशानों) की पूजा अर्चना करके व सेहरा बांधकर स्वागत किया गया । छड़ियों के साथ चल रहे प्रमुख भक्तों का भी पुष्प माल्यार्पण कर व नारियल भेंट कर स्वागत एंव सम्मानित किया गया। समिति के संस्थापक स्व. सरमन प्याल खलीफा की स्मृति में कार्यक्रम संयोजक ने द्वारा भण्डारे का आयोजन किया गया, जिसमें वाल्मीकि समाज के अलावा अन्य भक्त जनों / राहगीरों ने भी भण्डारे को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इस अवसर पर राकेश करौसिया मुखिया, ओमप्रकाश बडे, सोनू सारवान, रंजीत पथरौड, सुभाष, सूरज प्याल ,खलीफा कैलाश चन्द्र खरे. श्यामलाल शहर उस्ताद ,ओमप्रकाश दददा ,रमेश घरौंड, सुभाष माते, हरीभजन , प्रमोद पहलवान, प्रकाश चौधरी, भरोसी महंत ,उमेश ड्राईवर, कुलदीप पहलवान, विशन भगत, सुरेश महाराणी , लाड़ले,धर्म आनन्द, शम्भू, धुन्ना भगत, प्रकाश आदि की उपस्थिति में नगर निगम की उपसभापति प्रियंका नितिन साहू , छनियापुरा व्यापार मण्डल अध्यक्ष प्रभात सोनी, दीप दलवानी, इकबाल खान, विनोद केसरिया, दीपेश, प्रहलाद साहू, राहुल चौरसिया, हिमांशू, नितेश, राजीव गुप्ता आदि ने भी स्वागत किया।

कई अधिकारी व्यापारियों को कर रहे हैं ब्लैकमेल

■ आयुक्त ग्रेड-1 से की गई शिकायतें

झांसी जयूसं। झांसी टैक्स बार एसोसियेशन झांसी के अध्यक्ष रामेश्वर राय एड.के नेतृत्व में डी के सचान पर आयुक्त ग्रेड-1, झांसी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान जीएसटी की समस्यायें, अधिकारियों, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली के सन्दर्भ में बताया कि जीएसटी पंजीयन प्रार्थनापत्र के निस्तारण को अधिकारियों द्वारा बेवजह रोककर नोटिस जारी किये जाते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पंजीयन सर्वेक्षण के दौरान अधिकारी अपने साथ प्राइवेट आदमी लेकर जाते हैं एवं अनाधिकृत मांग करते हैं व व्यापारियों को जीएसटी का भय दिखाकर डराते हैं। साथ ही कई अधिकारी अपने कार्य के लिए प्राइवेट अनाधिकृत आदमियों से काम कराते हैं जो व्यापारियों को ब्लैकमेल करते हैं व जीएसटी का गोपनीय डेटा लीक करते हैं इनकी शिकायत पूर्व में भी की गई थी लेकिन उनके विरूद्ध कोई कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलन्द हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जीएसटी की धारा 61 के नोटिस आडिट नोटिस की तरह दिये जा रहे हैं जो नियम के विरूद्ध हैं। साथ ही वाणिज्य कर के समय के व जीएसटी के बहुत से व्यापारियों के रिफण्ड सेक्टर के अधिकार नहीं दे रहे हैं। जिसकी सूची उन्हें दी गयी। वार्ता के दौरान डी के सचान अपर आयुक्त ग्रेड-1, झांसी द्वारा समस्याओं के अतिशीघ्र निराकरण कराने की बात कही। वार्ता के दौरान राजेश कुमार एडी.कमि. ग्रेड-2 एसआईबी झांसी, लालजीत यादव एडी.कमि. ग्रेड-2 अपील झांसी, रामेश्वर राय, मंजुल नगाइच, वीरेन्द्र रावत, रामनारायण गुप्ता, जागेश्वर प्रसाद गुप्ता पीआरओ, आशुतोष मोदी, बाबूलाल वर्मा, अरविन्द साहू आडीटर, नन्दराम वर्मा, अनूप खरे, आनन्द गुप्ता, अखिलेश खरे, नरेन्द्र भदौरिया, जुगल किशोर, राकेश अग्रवाल, मधुकर दुबे, विनय सिजरिया, मनीष मिश्रा, अजय कुमार निगम, संजीव शर्मा, विवेक श्रीवास्तव, विष्णु चन्द्र रावत, राजीव तिवारी इत्यादि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

शनिदेव मंदिर पर ध्वजारोहणकर मनाया गया 79 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

चिरगांव (झांसी)। जनपद झांसी के चिरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करगुवां में स्थित लोगों की धर्म आस्था का केंद्र बना श्री सद्गुरु पिपलेश्वर आश्रम शनिदेव धाम करगुवां पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय पर्व 79 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर प्रात: काल आश्रम के संत गुरु प्रेम तेज महाराज व गुरुमाता प्रेमवती जी द्वारा ध्वजारोहणकर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।जिसमें संत गुरु प्रेम तेज महाराज एवं गुरु माता प्रेमवती ने शनि भक्तों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया एवं इसके उपरांत राष्ट्रगान का गुणगान करते हुए वीर शहीदों को याद किया एवं वही कार्यक्रम में देशभक्ति महापुरुषों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।इस मौके पर संत गुरु प्रेम तेज महाराज व गुरु माता प्रेमवती रवि समेले नीलू पुजारी धर्मेंद्र कुशवाहा,बृजेन्द्र कुशवाहा, परशुराम,गौरव,शिषपाल आदि दर्जनों शनि भक्त मौजूद रहे।

मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। सरस्वती शिशु/बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बाहर दतिया गेट झांसी की व्यवस्थापिका पदस्थ श्रद्धेय स्व. श्रीमती निधि श्रीवास्तव की पुण्य स्मृति में विद्यालय सभागार में श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुश्री कल्पना सिंह जी ने बताया कि पूर्व प्रबंधिका स्व. श्रीमती निधि श्रीवास्तव जुझारू, मेहनती, कर्मठ एवं अनुशासन प्रिय महिला रहीं एवं हमेशा बच्चों के हित के लिए चिंतन करती रहती थीं एवं मार्गदर्शन देती रहती थीं। इस अवसर पर विद्यालय की मेधावी छात्रा बहनों को नगद राशि एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया एवं अंत में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया जिसमें छात्रा बहनों की हीमोग्लोबिन, दंत परीक्षण, ब्लड ग्रुप, एनीमिया आदि की जांच संपन्न हुई।श्रद्धांजलि सभा में इं.अनिल श्रीवास्तव, उनका परिवार एवं उनके शुभचिंतक बाल कल्याण समिति से संरक्षक पवन सरावगी, अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, महेश नगाइच, विद्यालय प्रबंध समिति से संरक्षक डॉ. हरिमोहन गुप्त, अध्यक्ष डॉ. ए.के. सांवल, प्रबंधिका रमा चतुर्वेदी, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, सदस्य हेमंत नगरिया, डॉ. कैलाश तिवारी, डॉ. कुसुम पांडेय आदि उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर की जयंती

झांसी जयूसं। ग्वालियर घराने के शास्त्रीय गायक पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर की जयंती समारोह के अवसर पर राजकीय महिला महाविद्यालय झाँसी के संगीत गायन विभाग के द्वारा स्मरणोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में सर्वप्रथम महान कलाकार की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके इन्हें याद किया गया । इस अवसर पर समरीन बानो ने बताया कि पं. जी ने संगीत शिक्षा को लोकप्रिय बनाने एवं गांधर्व महाविद्यालय की स्थापना करने तथा रघुपति राघव राजा राम जैसे प्रसिद्ध भजनों की रचना करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । छात्रा अनमोल शाक्या ने इनके द्वारा रचित पुस्तकों जिनमें संगीत तत्व दर्शक, संगीत बालबोध, महिला संगीत, भजनामृत लहरी के बारे में विस्तार पूर्वक बताया । प्राचार्य ने कहा कि पं. जी एक उत्कृष्ट संगीतकार ,कुशल शिक्षक और संगीत जगत के ध्येयवादी ब्यक्तित्व थे । कार्यक्रम का आयोजन एवं संयोजन संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीप सिंह ने किया । इस कार्यक्रम में राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रो.श्याम सुंदर कुशवाहा, प्रो.अंजूलता, प्रो.ज्योति गौतम, डॉ.कमलेश कुमार, डॉ.क्रांति कुमार त्रिवेदी, डॉ.सुधीर कुमार, मोनिका, प्रियंका, श्रुति, चंचल, महक, उन्नति तथा संजना आदि छात्राएं उपस्थित रही।

रोगी एलर्जी के लिए चिकित्सक से ही सम्पर्क करे : डॉ. हरेंद्र यादव

झांसी जयूसं। इन्डियन इंटीग्रेटिड मेडिकल एसोसिएशन (आईआईएमए), झांसी द्वारा डॉ. देवेन्द्र पटसारिया की अध्यक्षता में चिकित्सा संगोष्ठी एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन एक स्थानीय होटल में किया गया। कार्यक्रम की शुभारम्भ उपाध्यक्ष डॉ. नीलम आनन्द, प्रदेश महासचिव डॉ.अनुपम सिंह, सचिव डॉ. देवेश मनोचा, कोषाध्यक्ष डॉ.राजेंद्र सोनी, संरक्षक डॉ.बी.डी.मोदी एवं मुख्य वक्ता डॉ.हरेंद्र यादव जी ने संयुक्त रूप से भगवान गणेश जी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया तत्पश्चात पौधा देकर डॉ. हरेंद्र यादव एवं समस्त पदाधिकारियों का मंच पर स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ.हरेंद्र यादव ने एलर्जी व उसके निवारण हेतु विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि एलर्जी के प्रति विशेष सावधानी बरते अन्यथा किसी रोगी को एलर्जी का लम्बे समय तक बने रहना अस्थमा बीमारी का कारण बन सकता है एवं नाक में अन्य प्रकार की बीमारी भी हो सकती है। अत: रोगी एलर्जी के लिए चिकित्सक से ही सम्पर्क करे खुद से दवा लेकर बीमारी को न बढ़ाए। संगोष्ठी पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ. राजेंद्र सोनी ने गीत प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी एवं डॉ. धीरज अग्रवाल द्वारा बजाए गए शानदार डीजे की धुन पर तालियों की गड़गड़ाहट से हाल गूंज उठा तत्पश्चात डॉ.सुनयना उपाध्याय, डॉ.अम्बर साहू, डॉ.के.के.वर्मा ने अलग अलग फिल्मी गीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डॉ.बी.एस.साहू, डॉ.संजय मोदी, डॉ.सुरेश कुमार गुप्ता, डॉ. अनुभूति मोदी, डॉ.सुनयना उपाध्याय, डॉ.राखी सेठ, डॉ.तसनीम कौसर, डॉ.नीरज श्रीवास्तव, डॉ.रंजीत सिंह बघेल,डॉ.उमेश प्रजापति, डॉ.विवेक वर्मा, डॉ. हितेंद्र मनकेले, डॉ.विनय मिश्रा,डॉ.राम करण राजपूत, डॉ.भरत सोनी, डॉ.बृजेश गुप्ता, डॉ.प्रमोद यादव, डॉ.हरिकांत रायकवार,डॉ.संजय साहू इत्यादि चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.धीरज अग्रवाल ने एवं डॉ.विक्रम आनन्द ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अधेड़ बिजली के तार पर फंदा डालकर झूला

झांसी जयूसं । चिरगांव थाना क्षेत्र में अधेड़ ने बिजली के तार पर रस्सी से फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। वह घर में बीते तीन महीनों से अकेले रह रहा था जबकि, पत्नी और बच्चों को गुजरात के अहमदाबाद में छोड़ आया था। यहां जब पड़ोसियों ने राकेश को फंदे से लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उसके शव को नीचे उतार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। चिरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पचार के रहने वाले 40 साल के राकेश अहिरवार पुत्र खरगे अहिरवार के चार बच्चे हैं। इनमें दो बेटे और दो बेटियां हैं। छोटा बेटा ऋषव बड़ागांव थाना क्षेत्र के आश्रम पद्धति विद्यालय में रहकर पढ़ाई करता है। वहीं, राकेश का एक बेटा सुमित, पत्नी और दो बेटियां गुजरात के अहमदाबाद की एक लोहा फैक्टरी में काम करते हैं। राकेश भी उन्हीं के साथ रहकर काम करता था। लेकिन तीन महीने पहले वह पत्नी और बच्चों को वहीं, छोड़कर गांव आ गया था। यहां वह अकेले रहकर खेती बाड़ी का काम करता था। राकेश के भतीजे नरेंद्र ने बताया कि चाचा के परिवार में सबकुछ ठीक चल रहा था। रक्षाबंधन पर छोटा बेटा पिता से मिलने भी आया था। त्योहार की छुट्टी खत्म होने के बाद 18 अगस्त को बेटा अपने होस्टल लौट गया था। राकेश घर में अकेला था, इसी दौरान उसने घर के छज्जे के पास से निकले बिजली के तार पर रस्सी से फांसी का फंदा बनाया और फांसी लगा ली। यहां पड़ोसियों को जैसे ही इसकी भनक हुई तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। लेकिन तारों में करंट होने के चलते कोई भी राकेश को बचा नहीं सका। यहां घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बिजली की सप्लाई बंद कराने के बाद राकेश के शव को फंदे से नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां डॉक्टर में उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि, अभी उसकी पत्नी और तीन बच्चे झांसी नहीं पहुंच सके हैं।

पत्नी की बीमारी में कर्जदार पति ने की आत्महत्या

झांसी जयूसं । युवक ने कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। बीमार पत्नी के लिए गांव के लोगों से पांच लाख रुपए का कर्ज ले लिया था। ऐसे में मजदूरी कर जो भी पैसा कमाता था, वह कर्ज की अदायगी में चला जाता था। लाख कोशिश के बाद भी पत्नी की बीमारी ठीक नहीं हो रही थी, जिसके चलते लवकुश वंशकार परेशान रहने लगा था। चिरगांव थाना क्षेत्र के जारियाई गांव के रहने वाले 39 साल के लवकुश वंशकार की पत्नी रानी देवी को छह महीने पहले कमर की बीमारी हो गई थी। पति ने उसका इलाज पहले झांसी में कराया। इसके बाद उसे ग्वालियर ले गया। यहां बीते चार महीने से उसका इलाज चल रहा था। लवकुश के भाई नरेंद्र वंशकार ने बताया- पत्नी के इलाज में भाई पर लगभग 5 लाख रुपए का कर्ज चढ़ गया था। बावजूद इसके पत्नी की हालत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। पत्नी की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि वह बेड से उठ भी नहीं पा रही। इसी बात को लेकर लवकुश काफी परेशान रह रहा था। रविवार को वह मजदूरी करने गया था। वहां से शाम को लौटा तो उसे उल्टियां होने लगीं। परिजनों ने पूछा तो उसने बताया- उसने सल्फॉस निगल ली है। परिजन उसे इलाज के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज लाए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई ने बताया कि वह अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ गया है। यहां पत्नी को पति की मौत की खबर मिली तो उसकी भी हालत गंभीर हो गई।

सेमरी में जन्माष्टमी महोत्सव पर मटकी फोड़ कार्यक्रम सम्पन्न

चिरगांव (झांसी)। शनिवार 16 अगस्त को हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ग्राम सेमरी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम कृष्णपाल सिंह फौजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भगवान सिंह सिकरवार (सेमरी टोल मैनेजर) तथा महंत माधव दास जी रहे।

हर वर्ष की तरह इस बार भी ग्राम के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। जिसमें कक्षा 12वीं में सोनम पुत्र राजू 87 प्रतिशत,लक्ष्मी पुत्री राजाराम 85 प्रतिशत,राज पुत्र रोहिताश 81 प्रतिशत,कक्षा 10 वीं में प्रियांशी पुत्री राजेन्द्र सिंह 85 प्रतिशत अंशिका पुत्री रामलाल 89 प्रतिशत को एवं अन्य मेधावी छात्र छात्राओं को भी सम्मानित किया?।एवं वही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ जिसमें श्रीकृष्ण रूप में जगदीश पुजारी जी ने सभी को मंत्रमुग्ध किया।हास्य कलाकार बेधड़क (अमरा) ने अपनी प्रस्तुति से खूब मनोरंजन किया।मंच का सफल संचालन रामबिहारी श्रीवास्तव,राधेश्याम यादव व मुन्नालाल राजक द्वारा किया गया।एवं वहीं दही-हांडी अर्थात मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ जिसमें विजेता टीम के कप्तान गौतम रहे।टीम में विवेक, मोनू, दीपक, शिवा, संघर्ष, बंटी, सोनू, गोलू, शंकर, गौरी, बल्लू, प्रदीप, अरुण, अमित, दिपांशु शामिल रहे। साथ ही आकाश यादव, अंकुश, पंकज, सुजय, जलज, आलोक, कल्लू, अंकित, नवीन, गजेन्द्र, शिशिर,

मेधावी छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

अंकुश आदि युवाओं ने भी अपनी सहभागिता से कार्यक्रम को सफल बनाया।इस मौके पर कार्यक्रम में ग्राम सेमरी के समस्त गणमान्य नागरिक- जगदीश बाबूजी, लखन दादा,बशुदेव यादव,जयदयाल श्रीवास्तव, अर्जुन यादव, रामलाल यादव (अध्यापक), हरी नेता, दयाराम अमीन, हरपाल दाऊ, गोपाल पाल, जगदीश मास्टर, डॉ. बलराम , राम सजीवन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम आयोजक कृष्णपाल फौजी ने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा, संज्ञात्मक, समाजिक और भावनात्मक बिम्बों की संवाहक : डॉ. सुनील तिवारी

झांसी जयूसं। आज जिला शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थान में एकीकृत प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षण माड्यूल के अन्तर्गत सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी आफ कर्नाटक के फर्स्ट कोर्ट मेम्बर डॉ. सुनील तिवारी ने एन ई पी के सम्बन्ध में अपने विचार रखते हुए कहा किशिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि यह संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावात्मक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के द्वारा व्यक्ति के विभिन्न पहलुओं का विकास होता है, जो उसके जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद करता है। संज्ञानात्मक विकास- ज्ञान और समझ, शिक्षा व्यक्ति को विभिन्न विषयों में ज्ञान और समझ प्रदान करती है, जो उसके संज्ञानात्मक विकास में मदद करती है। - विचार और तक- शिक्षा व्यक्ति को विचार और तर्क की क्षमता विकसित करने में मदद करती है, जो उसे समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाती है। सामाजिक विकास- सामाजिक कौशल, शिक्षा व्यक्ति को सामाजिक कौशल प्रदान करती है, जो उसे दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने और संबंध बनाने में मदद करता है।- सामाजिक मूल्यों का विकास शिक्षा व्यक्ति में सामाजिक मूल्यों का विकास करती है, जो उसे समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करता है।

भावात्मक विकास- भावनाओं का प्रबंधन, शिक्षा व्यक्ति को अपनी भावनाओं का प्रबंधन करने में मदद करती है, जो उसे तनाव और दबाव के समय में भी शांत और संयमित रहने में सक्षम बनाती है।- आत्मविश्वास और आत्मसम्मान: शिक्षा व्यक्ति में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का विकास करती है, जो उसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। शिक्षा की भूमिका: व्यक्तिगत विकास: शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो उसे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने में मदद करती है।- सामाजिक प्रगति: शिक्षा समाज की प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो उसे अधिक विकसित और समृद्ध बनाती है। इस अवसर पर डाइट प्रवक्ता दीपक भारती, रेखा वर्मा, रामपाल सिंह, श्रीमती विजेता, डॉ आलम, अनिल शुक्ला सहित रसकेन्द्र गौतम, विनोद कुमार, राहुल त्यागी, बिहारी लाल, डॉ प्रियवंदा मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। इस समय विकास खण्ड बबीना, मऊरानीपुर सहित नगर क्षेत्र के दो सौ प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक- शिक्षकाओं का प्रशिक्षण चल रहा है।

किन्नर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उठाई बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण की माँग

झांसी जयूसं। किन्नर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष सलमा किन्नर एवं किन्नर समाज की महामंडलेश्वर माता ने बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के योद्धाओं के साथ बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण का उद्घोष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जो तीन साल का बादा किया था उसे अति शीघ्र पूरा किया जाये । अन्यथा पूरे देश के किन्नरों को एकत्रित कर सरकार के खिलाफ बुन्देलखण्ड की जनता के साथ बड़ा आन्दोलन किया जायेगा। यह बात उनूहोंने वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की नगरी में महारानी लक्ष्मीबाई के किले की प्राचीर में भ्रमण के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से भी मांग कर रहे हैं कि वो बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण के लिए आगे आये और बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा का साथ निभाये वर्ना आगामी चुनाव उनके लिए भी भारी पड़ेगा। किले पर उपस्थित किन्नरों ने किले को घूमने आने बाले पर्यटकों से बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन में शिरकत करने की आवाह्न किया। वाराणसी से पधारी किन्नर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष सलमा किन्नर, महामंडलेश्वर माता जी के साथ बड़ी संख्या में पधारे किन्नर एवं बुन्देलखण्ड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय , रघुराज शर्मा, हनीफ खान, प्रदीप नाथ झा, शिवम गौतम आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं में कैल्शियम की कमी बन रही है बड़ी परेशानी

■ 30 की उम्र के बाद महिलाओं में कैल्शियम की तेजी से देखी जा रही कमी
■ उम्र बढ़ने के साथ शरीर में हार्मोनल बदलाव सबसे बड़ा कारण

ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी का खतरा

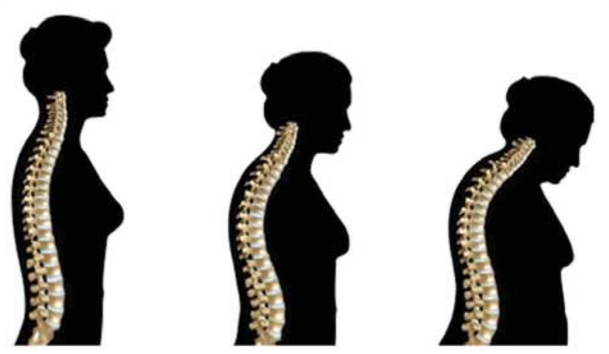

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। घर की जिम्मेदारी हो या नौकरी की भागदौड़, आज की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं। बच्चों का ख्याल, बुजुर्गों की देखभाल, ऑफिस का प्रेशर और बाकी कामों की लंबी लिस्ट इसी भागमभाग में अक्सर महिलाएं सबसे जरूरी चीज भूल जाती हैं और वह है अपनी खुद की सेहत का ख्याल रखना। डॉक्टरों का कहना है कि 30 की उम्र के बाद महिलाओं में कैल्शियम की कमी तेजी से देखी जा रही है। कैल्शियम हमारे शरीर की सबसे जरूरी चीज है। यह न सिर्फ हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है, बल्कि दिल की धड़कन, नसों के कामकाज और मांसपेशियों की मजबूती के लिए भी जरूरी है। लेकिन कैल्शियम की कमी पर जब तक महिलाएं ध्यान देती हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, अगर समय रहते महिलाओं के शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा न किया जाए, तो आगे चलकर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सबसे ज्यादा असर हड्डियों पर पड़ता है। हड्डियां कमजोर होने लगती हैं और थकावट हमेशा बनी रहती है। यहां तक कि ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसमें हड्डियां बहुत ज्यादा कमजोर हो जाती हैं और हल्की सी चोट में भी फ्रैक्चर हो सकता है। वैज्ञानिक रिसर्च में महिलाओं में कैल्शियम की कमी के कई कारण सामने आए हैं। सबसे बड़ा कारण उम्र बढ़ने के साथ शरीर में हार्मोनल बदलाव होता है। खासकर मेनोपॉज के बाद शरीर में एस्ट्रोजन नामक हार्मोन की मात्रा कम हो जाती है, जो हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होता है।इसके अलावा गर्भावस्था और स्तनपान के समय महिला का शरीर बच्चे को पोषण देने के लिए अपने अंदर जमा कैल्शियम का अधिक इस्तेमाल करता है, जिससे कमी हो सकती है। यदि इस समय पर कैल्शियम युक्त आहार न लिया जाए तो दिक्कत बढ़ सकती है।

वहीं अनियमित खानपान भी कैल्शियम की कमी की एक बड़ी वजह है। दूध, दही, हरी सब्जियां और दूसरे जरूरी खाद्य पदार्थ न खाने से कैल्शियम का स्तर गिरता है। आजकल की जीवनशैली में अधिकतर कार्य बैठे-बैठे होते हैं। शारीरिक गतिविधियों की कमी भी हड्डियों को कमजोर कर देती है। ज्यादा चाय, कॉफी और प्रोसेस्ड फूड खाने से भी शरीर से कैल्शियम बाहर निकलने लगता है।

कैलिशयम की कमी को पूरा करने के उपाय

कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए महिलाओं को अपनी डाइट में कुछ खास चीजें शामिल करनी चाहिए, जैसे कि दूध, दही, पनीर और छाछ जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स रोजाना लेने चाहिए, क्योंकि ये कैल्शियम के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा, पालक, मेथी, बथुआ और सरसों का साग जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां भी भरपूर कैल्शियम देती हैं। बादाम, अंजीर, तिल और अलसी जैसे सूखे मेवे और बीज भी हड्डियों को मजबूती देते हैं। इसके अलावा, डॉक्टर की सलाह से कैल्शियम और विटामिन डी सप्लीमेंट्स भी लिए जा सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने अध्ययन में खुलासा

मेकअप चेहरे के साथ ही दिमाग पर भी डालता है पॉजिटिव असर

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आजकल महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी मेकअप का इस्तेमाल अपने चेहरे को सुंदर बनाने के लिए करते हैं। मेकअप न केवल चेहरे की खूबसूरती बढ़ाता है, बल्कि यह हमारे दिमाग की प्रतिक्रिया को भी बदल सकता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन में पता चला है कि जब हम मेकअप लगे हुए चेहरे देखते हैं, तो हमारा दिमाग उन्हें ज्यादा आकर्षक और ध्यान देने योग्य समझता है। यह प्रभाव न केवल दूसरों के चेहरे पर होता है, बल्कि हमारे अपने चेहरे पर भी होता है। मेकअप लगाने से दिमाग में खास बदलाव आते हैं। यह हमारे सोचने और महसूस करने के तरीके को भी प्रभावित करता है।

अमेरिकी नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर मौजूद जानकारी (15 अगस्त 2022 में छपी रिपोर्ट) के मुताबिक, जापान के वैज्ञानिकों ने 77 महिलाओं पर शोध किया। इसमें महिलाओं ने खुद अपने चेहरे पर मेकअप लगाया और उनकी तस्वीरें ली गईं। फिर उनकी और दूसरी महिलाओं की तस्वीरें मेकअप के साथ और बिना मेकअप के दिखाई गईं। इस दौरान उनका दिमाग इन तस्वीरों पर अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया करता पाया गया। महिलाओं को कुछ काम दिए गए जिनमें उन्हें चेहरे देखने थे, लेकिन मेकअप पर खास ध्यान देने के लिए नहीं कहा गया था। फिर भी, मेकअप वाले चेहरे देखते ही दिमाग की कुछ खास तरंगें ज्यादा सक्रिय हुईं।

शोध में मस्तिष्क की गतिविधि को मापने के लिए ईआरपी (इवेंट-रिलेटेड पोटेंशियल) नाम की तकनीक का उपयोग किया गया। यह तकनीक हमें बताती है कि मस्तिष्क किसी चीज को कितनी जल्दी और कितनी ध्यान से देखता या समझता है। शोध में खास बात यह रही कि मेकअप वाले चेहरे को देखने पर मस्तिष्क की कुछ खास तरंगें ज्यादा सक्रिय हुईं। ये तरंगें बताती हैं कि हमारा दिमाग ऐसे चेहरे पर ज्यादा ध्यान देता है और उन्हें ज्यादा पसंद करता है।

वैज्ञानिक भाषा में इन तरंगों को ईपीएन और एलपीपी कहा जाता है, जो यह संकेत देते हैं कि ऐसा चेहरा हमारे लिए खास और आकर्षक होता है इस शोध में दिलचस्प बात यह रही कि यह असर सिर्फ दूसरों के चेहरे पर ही नहीं, बल्कि अपने चेहरे पर भी देखने को मिला। जब हम अपने मेकअप वाले चेहरे की तस्वीर देखते हैं, तो हमारा दिमाग भी उसी तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया देता है।

सुरक्षा व प्राइवेसी रिस्क एआई स्केलिंग में बनते हैं बाधा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दस में से नौ भारतीय उद्यम एआई और एनालिटिक्स के विस्तार में सिक्योरिटी और प्राइवेसी रिस्क को सबसे बड़ी बाधा मानते हैं। यह जानकारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई।

सीआईओ एंड लीडर और बीएमएनएक्सटी द्वारा किए गए 2025 स्टेट ऑफ एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी सर्वे के अनुसार, फिशिंग एक प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई है, 77 प्रतिशत मुख्य सूचना अधिकारियों (सीआईओ) ने इसे अत्यधिक या मध्यम रूप से गंभीर माना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पहचान-आधारित अटैक और रैंसमवेयर उद्यमों पर दबाव बना रहे हैं, जबकि एआई-जनरेटेड खतरे जैसे मॉडल पॉइजनिंग और डेटा लीकेज नए रिस्क के रूप में उभर रहे हैं। 9.9 ग्रुप के शोध प्रमुख आर. गिरिधर ने कहा कि एआई साइबर सिक्योरिटी गेम को दोनों तरफ से बदल रहा है - अटैकर्स इसका इस्तेमाल खतरों को नया रूप देने के लिए कर रहे हैं और बचावकर्ता इसका इस्तेमाल ऑटो डिटेक्शन और प्रतिक्रिया के लिए कर रहे हैं। उद्यमों के लिए चुनौती पहले दिन से ही एआई पहलों में सुरक्षा को शामिल कर आगे बने रहना है। क्लाउड-नेटिव सिक्योरिटी कंट्रोल, जीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर और प्राइवेसी ऑटोमेशन, विशेष रूप से विनियमित उद्योगों में, प्रमुख क्षमताएं बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि साथ ही, एआई-पावर्ड डिटेक्शन का प्रचलन बढ़ रहा है, जिससे विसंगतियों का तेजी से पता लगाना, व्यवहारिक आधार रेखा बनाना संभव हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, कॉम्प्लेक्स हाइब्रिड आईटी परिवेशों की चुनौतियों का समाधान करने के लिए एसओसी आधुनिकीकरण और प्रिविलेज्ड एक्सेस मैनेजमेंट (पीएएम) को अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

सीआईओ एंड लीडर के कंसल्टिंग रिसर्च पार्टनर और बीएमएनएक्सटी के संस्थापक एवं मुख्य विश्लेषक दीपक कुमार ने कहा कि आंकड़े स्पष्ट करते हैं - सिक्योरिटी एंड प्राइवेसी अब केवल आईटी चिंताएं नहीं हैं; ये बोर्ड-स्तरीय प्राथमिकताएं हैं। एआई अपनाने का अगला चरण विश्वास पर निर्भर करेगा।

'द बंगाल फाइल्स' में अनुपम खेर बने महात्मा गांधी

मुंबई, (एजेंसियां)। फिल्म निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की अपकमिंग फिल्म 'द बंगाल फाइल्स राइट टू लाइफ' का ट्रेलर शनिवार को जारी हो चुका है। डायरेक्ट एक्शन डे पर बनी फिल्म में अभिनेता अनुपम खेर महात्मा गांधी की भूमिका में हैं। इतिहास और अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में कई एक्टर राष्ट्रपिता की भूमिका निभा चुके हैं। इस लिस्ट में नसीरुद्दीन शाह के साथ ही अन्य कई एक्टर्स का नाम शामिल है। 15 अगस्त के खास मौके पर मेकर्स ने अनुपम खेर का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया था, जिसमें वह बापू के प्रतिष्ठित किरदार में दिख रहे हैं। यह फिल्म साल 1946 के दंगों और डायरेक्ट एक्शन डे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो भारत के विभाजन की त्रासदी को पर्दे पर पेश करती है। ट्रेलर में अनुपम खेर के सामने आए किरदार की झलक को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। इससे पहले भी कई अभिनेताओं ने सिल्वर स्क्रीन पर महात्मा गांधी की भूमिका को जीवंत किया है।

बच्चों व महिलाओं के लिए समय पर वैक्सीनेट होना जरूरी

■ वैक्सीनेशन में कमी के कारण मीजल्स और खांसी की समस्या
■ नियमित ब्लड शुगर को मॉनिटर करने के साथ ही संतुलित आहार जरूरी

नोएडा, (एजेंसियां)। बच्चों और महिलाओं के लिए समय पर वैक्सीनेशन बेहद जरूरी है। यह न केवल गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि हार्ड इम्यूनिटी को बढ़ावा देकर सुरक्षित भी रखता है। खासकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन जानलेवा बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। नोएडा के सीएचसी भंगेल की सीनियर मेडिकल ऑफिसर और महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. मीरा पाठक ने विस्तार से इस विषय में जानकारी दी। सीनियर मेडिकल ऑफिसर और गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. मीरा पाठक ने बताया कि नवजात शिशुओं का इम्यून सिस्टम डेवलप हो रहा होता है। ऐसे में वैक्सीन उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं, जिससे गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। कोविड-19 के दौरान वैक्सीनेशन में कमी के कारण मीजल्स और खांसी की समस्याएं बड़े स्तर पर देखी गईं। समय पर वैक्सीनेशन इन बीमारियों को रोकने के लिए जरूरी है। वैक्सीन का काम होता है कि वह उन बीमारियों से बच्चों को बचाए क्योंकि वैक्सीन देने की वजह से उनका इम्यून सिस्टम स्ट्रांग होता है, उनका इम्यून रिस्पांस होता है और उनको बीमारियों से बचाव मिलता है। डॉ. पाठक कहती हैं, प्रत्येक बीमारी के लिए टीकों की डोजेज, अंतराल और एज लिमिट भी अलग होती है।

बेजुबानों की आवाज हैं सितारे

मुंबई, (एजेंसियां)। हर साल अगस्त के तीसरे शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बेघर पशु दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बेघर और घर से निकाले या त्यागे गए पशुओं के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके लिए स्थायी समाधान ढूंढना है। इस खास विषय पर कई बॉलीवुड सितारे बेजुबानों के लिए आवाज उठाते हैं और उनकी मदद के लिए आगे आते हैं। इनमें 'दबंग' गर्ल के नाम से लोकप्रिय सोनाक्षी सिन्हा, रवीना टंडन समेत कई सितारे शामिल हैं, जिन्होंने अपने कार्यों से पशु कल्याण को बढ़ावा दिया है।

अभिनेत्री रवीना टंडन पशु प्रेमी के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय बेघर पशु दिवस पर पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) के साथ मिलकर मुंबई में मानसून की बारिश में फंसे सड़क पर रहने वाले सात कुत्ते के बच्चों (पिल्लों) को गोद लिया। रवीना पहले से ही दो भारतीय कुत्तों और एक शेल्टर से गोद लिए कुत्ते की देखभाल करती हैं। वह कहती हैं, सड़कों पर संघर्ष कर रहे कुत्ते को घर या आश्रय देना उनके लिए अनमोल तोहफा और हमारे लिए बड़ी खुशी की बात है। अभिनेता जॉन अब्राहम न केवल अपनी फिटनेस और एक्टिंग के लिए बल्कि पशु प्रेम के लिए भी सुर्खियों में रहते हैं। उन्होंने कई मौकों पर आवारा कुत्तों और बिल्लियों को गोद लिया और पेटा के अभियानों का समर्थन किया। जॉन पशुओं के हित में चलने वाले कई अभियानों का भी हिस्सा रहे हैं। अनुष्का शर्मा ने अपने एनजीओ के माध्यम से मुंबई में बेघर पशुओं के लिए कई कैंप आयोजित किए। उन्होंने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि लोग शेल्टर से पशुओं को गोद लेने के लिए आगे आएं और बेसहारा और त्यागे गए पशुओं का सहारा बनें।

---

5 सालों बाद 8 साल के बच्चे की स्पीच थेरेपी से आवाज लौटी

■ सेना के चिकित्सक ने कर दिखाया चमत्कार
■ प्रशिक्षण की शुरुआत साधारण गरारे, जीभ व जबड़े के व्यायाम से हुई

जम्मू, (एजेंसियां)। ये किसी चमत्कार से कम नहीं कि जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के एक गांव के आठ साल के एक बच्चे को आखिरकार अपनी आवाज मिल गई है। यह सब एक सेना के डाक्टर की बदौलत संभव हुआ, जिन्होंने बच्चे की मदद के लिए हर संभव प्रयास किया। फटे होंठ और तालू के साथ जन्मे इस बच्चे की तीन साल की उम्र में सर्जरी हुई थी, लेकिन वह अभी भी बोल नहीं पा रहा था। उसके माता-पिता सेना में असैन्य मजदूर के रूप में काम करते हैं। वे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ थे और उन्होंने अपने बेटे के बोलने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी।

रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि उनकी उम्मीद तब जगी जब इलाके में तैनात सेना के डाक्टर कैप्टन सौरभ सालुंखे ने उस लड़के से मुलाकात की। उसकी जांच के बाद सालुंखे को एहसास हुआ कि उचित स्पीच थेरेपी से वह लड़का अपनी आवाज वापस पा सकता है। बर्तवाल ने बताया कि चूंकि सुदूर गांव में ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं थी, इसलिए सालुंखे ने इस तकनीक को सीखने और लड़के को व्यक्तिगत रूप से प्रशिक्षित करने का बीड़ा उठाया। अगले आठ हफ्तों तक डाक्टर ने अपने ड्यूटी समय में से रोजाना दो से तीन घंटे अक्षय का मार्गदर्शन करने में बिताए। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण की शुरुआत साधारण गरारे, जीभ और जबड़े के व्यायाम से हुई। धीरे-धीरे नासिका और मौखिक ध्वनियों में अंतर करना, ओष्ठ और तालु की ध्वनियां सीखना और अंत में गले की ध्वनियों का अभ्यास करना शुरू हुआ। उन्होंने आगे बताया कि धीरे-धीरे शब्द वाक्यों में बदलने लगे और लड़का आत्मविश्वास से बोलने लगा। सफलता तब मिली जब दुग्गन हाई स्कूल में कक्षा 3 के छात्र ने आखिरकार अपने माता-पिता को फोन किया। बर्तवाल ने कहा कि भावनाओं से अभिभूत होकर उन्होंने इसे किसी चमत्कार से कम नहीं बताया। अधिकारी ने बताया कि एक सैनिक के दयालुतापूर्ण कार्य से शुरू हुई यह घटना पूरे समुदाय के लिए आशा का स्रोत बन गई है। साथ ही यह याद दिलाती है कि सेना न केवल देश की सीमाओं की रक्षा करती है, बल्कि लोगों के जीवन को भी गहराई से प्रभावित करती है।

गुलजार ने शब्द ही नहीं गढ़े 'बोस्की' की हर छोटी बड़ी इच्छाओं का भी रखा मान

- जन्मदिन विशेष -

मुंबई, (एजेंसियां)। हिंदी सिनेमा और साहित्य की दुनिया में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो समय के साथ फीके नहीं पड़ते, बल्कि और भी चमकते हैं। गुलजार उन्हीं में से एक हैं। उर्दू, पंजाबी, खड़ीबोली और हिंदी जैसी कई भाषाओं में उन्होंने जो कविताएं, गीत और कहानियां लिखी हैं, वो सीधे दिल में उतर जाती हैं। 18 अगस्त 1934 को झेलम (अब पाकिस्तान) में जन्मे गुलजार, जिनका असली नाम संपूरण सिंह कालरा है, आज भी अपनी सादगी, संवेदनशीलता और शब्दों की गहराई से लोगों को बांध लेते हैं। लेकिन अगर गुलजार की जिंदगी को किसी एक नजरिए से सबसे गहराई से समझा जा सकता है, तो वो है उनकी बेटी मेघना गुलजार का! एक सफल फिल्म निर्देशक के तौर पर पहचान बनाने वाली मेघना (जिनका प्यार का नाम बोस्की है) ने कई बार सार्वजनिक मंचों पर बताया है कि उनके पिता ने सिर्फ एक महान लेखक या गीतकार की भूमिका ही नहीं निभाई, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील अभिभावक की तरह भी जीवन जिया।

गुलजार ने 1973 में अभिनेत्री राखी से शादी की थी। लेकिन जब उनकी बेटी बोस्की केवल एक साल की थीं, तब गुलजार और राखी अलग हो गए। अलग होने के बाद गुलजार ने मेघना की परवरिश में पूरी भूमिका निभाई। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2019 में मेघना ने भावुक होकर कहा था कि उनके पापा ने कभी उन्हें डांटा नहीं, लेकिन अनुशासन हमेशा बनाए रखा। गुलजार खुद मेघना को स्कूल के लिए तैयार करते, उनकी चोटी बनाते, जूते पॉलिश करते और समय निकालकर दोपहर साढ़े तीन बजे स्कूल से लेने भी जाते। उन्होंने ऐसा कोई काम नहीं छोड़ा जिससे मेघना को मां की कमी महसूस हो।

उन्होंने बताया था कि गुलजार ने हमेशा उन्हें आजादी से जीने की छूट दी, लेकिन पढ़ाई को लेकर कभी समझौता नहीं किया। उनका एक ही नियम था, 'पढ़ाई पूरी करो, उसके बाद जो मन करे वो करो।' शायद यही वजह है कि मेघना आज खुद एक सफल निर्देशक हैं, जिन्होंने 'राजी', 'छपाक' और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों के जरिए अपना हुनर दिखाया।

गुलजार की शायरी, गीत और नज्मों में बंटवारे का दर्द, दिल्ली की गलियों की खुशबू, और गालिब की रचनाओं की छाया मिलती है। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में कहा था कि वे खुद को 'कल्चरली मुसलमान' मानते हैं, क्योंकि उनकी सोच में हिंदी और उर्दू दोनों की मिलावट है। यह बात उनकी लेखनी में भी साफ झलकती है। उनकी शुरुआत बतौर गीतकार 1963 में बिमल रॉय की फिल्म 'बंदिनी' से हुई थी, जिसमें लिखा गया गाना 'मोरा गोरा रंग लइले' आज भी उतना ही मासूम और गहरा लगता है जितना शायद तब लगता होगा। इसके बाद उन्होंने एक से एक खूबसूरत गीत लिखे। फेहरिस्त बहुत लंबी है लेकिन 'तेरे बिना जिंदगी से कोई शिकवा नहीं', 'कजरारे कजरारे' और 'छैंया छैंया' ये ऐसे तीन गाने हैं जो गुलजार की कलम के अलग-अलग रंगों से रूबरू कराते हैं। उनकी लेखनी में दिल्ली की बल्लीमारान की गलियों से लेकर मुंबई की रेलगाड़ियों तक का सफर महसूस होता है। गुलजार की केवल लेखनी ही नहीं, उनकी आवाज भी दमदार है।

---

8 में से 1 व्यक्ति मानसिक विकार का शिकार

■ मानसिक विकारों को सत्वावजय चिकित्सा से करें दूर
■ नकारात्मक विचारों, गुस्से या चिंता से दूरी बनाकर मन को सकारात्मक दिशा में मोड़ना

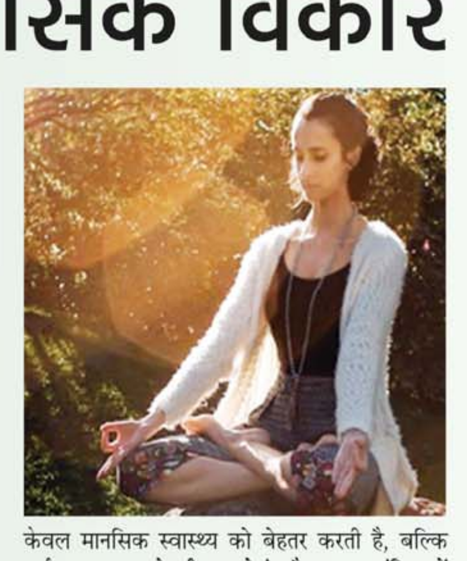

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। ऑफिस का तनाव हो या घर की चिंता, मानसिक विकारों की जद में आना आज के समय में बहुत आम सी बात हो गई है। हालांकि, आयुर्वेद के पास इस विषम परिस्थितियों से निकलने का रास्ता भी है, जिसका नाम 'सत्वावजय चिकित्सा' है। आयुर्वेद की सत्वावजय चिकित्सा एक गैर-औषधीय पद्धति है, जो मानसिक रोगों के उपचार में मन को नियंत्रित करने पर केंद्रित है। चरक संहिता के अनुसार, यह मन को हानिकारक विचारों और तनावों से दूर रखती है। सत्वावजय चिकित्सा सत्व (शांति) को बढ़ाकर रजस (उत्तेजना) और तमस (आलस्य) को संतुलित करती है। इसमें अष्टांग योग की तकनीकें, जैसे ध्यान, प्राणायाम और आत्म-नियंत्रण, शामिल हैं।

भारतीय दर्शन में अष्टांग योग मन को नियंत्रित करने का प्रमुख साधन है। इस प्रकार, सत्वावजय चिकित्सा योग और आत्म-चिंतन के माध्यम से मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करती है। सत्वावजय चिकित्सा चिंता, अवसाद और तनाव जैसे मानसिक विकारों के मूल कारणों को ठीक करती है। यह दवाओं पर निर्भरता कम करती है और व्यक्ति को आत्म-जागरूकता और मानसिक शक्ति प्रदान करती है।

भारत सरकार का आयुष मंत्रालय विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानसिक विकारों से संबंधित आंकड़ों के साथ 'सत्वावजय चिकित्सा' के बारे में जानकारी देता है। मंत्रालय के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में हर आठ में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार से जूझ रहा है। इस समस्या का समाधान आयुर्वेद की प्राचीन पद्धति सत्त्वावजय चिकित्सा में मिलता है, जिसे विश्व की पहली प्रलेखित मनोचिकित्सा प्रणाली माना जाता है। यह चिकित्सा न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करती है, बल्कि कई अन्य तरह से भी फायदेमंद है। चरक संहिता में सत्वावजय को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि यह मन को हानिकारक विचारों और इच्छाओं से दूर रखने की प्रक्रिया है। आयुर्वेद के अनुसार, मन में तीन गुण होते हैं सत्व (शांति, संतुलन), रजस (अति सक्रियता, उत्तेजना), और तमस (आलस्य, अंधकार)। मानसिक विकार तब उत्पन्न होते हैं जब रजस और तमस का प्रभाव बढ़ जाता है। सत्वावजय चिकित्सा सत्व के बल को बढ़ाकर रजस और तमस को नियंत्रित करती है, जिससे मन शांत और संतुलित होता है।

सत्वावजय चिकित्सा मन को स्वस्थ और सकारात्मक दिशा में ले जाने पर केंद्रित है। इसके लिए नियमित ध्यान, प्राणायाम और योग आसन मन को शांत करते हैं और तनाव कम करते हैं। सात्विक आहार (ताजा, शुद्ध और हल्का भोजन), नियमित दिनचर्या और प्रकृति के साथ समय बिताना मन को स्थिरता देता है। नकारात्मक विचारों, गुस्से या चिंता से दूरी बनाकर मन को सकारात्मक दिशा में मोड़ना भी लाभदायी है। यही नहीं, आध्यात्म के माध्यम से भी मन को शांत किया जा सकता है। भक्ति, प्रार्थना या आत्म-चिंतन के माध्यम से मन को शांति प्रदान करना।

cmyk

संपादक की कलम से

डिजिटल के दौर में निर्वाचन आयोग के सामने बड़ी चुनौती

लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चलाने की वैधता हासिल करना नहीं, बल्कि यह उस बुनियाद का प्रमुख स्तंभ है, जिस पर देश या राज्य की पूरी व्यवस्था का दारोमदार टिका होता है। इस प्रक्रिया को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है। बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर उठे सवालों का जवाब भी निश्चित रूप से चुनाव आयोग के पास ही है।

मगर, सवाल यह है कि क्या आयोग के जवाब से आमजन, सामाजिक संगठन और संबंधित राजनीतिक दल संतुष्ट हो पाए हैं? साफ है कि ऐसा नहीं हुआ और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। अब शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह एसआइआर के तहत मसविदा मतदाता सूची से हटाए गए पैंसठ लाख नामों को कारण सहित सार्वजनिक करे। चुनाव आयोग का दावा है कि बिहार में मृत और स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा कई स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की सूची संबंधित राजनीतिक दलों के साथ पहले से साझा की जा रही है। हालांकि, विपक्षी दलों का आरोप है कि उन्हें आधी-अधूरी जानकारी मुहैया कराई जा रही है। सवाल यह भी है कि अगर किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया गया है और उसके पीछे क्या कारण हैं, इसकी जानकारी संबंधित व्यक्ति को कैसे मिल पाएगी? क्या हर व्यक्ति के लिए अपने स्तर पर सूची में अपना नाम दर्ज होने या न होने की पुष्टि करना संभव है?

इसी पहलू को ध्यान में रखकर शीर्ष अदालत ने बिहार में मसविदा सूची से हटाए गए नामों की सूची पंचायत स्तर के कार्यालय और जिला स्तर के निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया है। साथ ही नाम हटाने के कारणों का पूरा ब्योरा देने को भी कहा है। जाहिर है, इससे उन मतदाताओं को आसानी से अपना दावा करने की सहूलियत होगी, जो मतदान के योग्य होने के बावजूद किसी कारणवश सूची से बाहर हो गए हैं।

सर्वोच्च अदालत ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि नाम हटाए जाने से जिन लोगों को दिक्कत है, वे अपने आधार कार्ड के साथ निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष दावा पेश कर सकते हैं। पहले चुनाव आयोग आधार को नागरिकता का प्रमाण पत्र मानने से सहमत नहीं था। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद आयोग ने निष्कर्ष निकाला है कि पहले से पंजीकृत 22.34 लाख लोगों की मृत्यु हो चुकी है, 36.28 लाख स्थायी रूप से दूसरी जगह स्थानांतरित हो गए हैं और अब उनका पता मालूम नहीं है तथा करीब सात लाख मतदाता एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत थे। मगर, स्थायी रूप से स्थानांतरित लोगों की संख्या की पुष्टि का ठोस आधार क्या था, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

साथ ही यह सवाल भी अनुत्तरित है कि अगर कोई व्यक्ति स्थानांतरित हो जाता है, तो क्या उस राज्य में मतदान करने का उसका अधिकार भी खत्म हो जाता है? यह बात सही है कि बिहार ही नहीं, बल्कि तमाम राज्यों में मतदाताओं के एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत होने की समस्या पैदा हुई है। मगर, चुनाव आयोग पहल करे तो सब कुछ डिजिटल होने के दौर में इस तरह की समस्या से आसानी से निपटा जा सकता है। चुनाव आयोग एक स्वायत्त, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यप्रणाली वाली संस्था है, लेकिन ये शब्द सिर्फ कागजों में सहेजने के लिए नहीं हैं, धरातल पर इनके मूल्य और महत्त्व नजर आने से ही लोकतंत्र की सफलता सुनिश्चित हो पाती है।

निर्वाचन आयोग के साख पर सवाल

पिछले काफी समय से देश में स्वतंत्र, स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव के लिए लगातार आवाज उठाई जाती रही है। खासतौर पर ईवीएम के जरिए मतदान और मतों की गिनती को लेकर कई बार संदेह जाहिर किए गए। ऐसे आरोप सामने आए कि इसमें तकनीकी गड़बड़ी के जरिए या मतगणना में हेरफेर करके नतीजे प्रभावित किए जाते हैं। विडंबना यह है कि जब भी इस तरह के सवाल उठाए जाते हैं, तो आमतौर पर उन्हें निराधार मान कर खारिज कर दिया जाता है।

दलील यह होती है कि जो उम्मीदवार हारता है, केवल उसे ही शिकायत होती है। जरूरी नहीं कि ऐसे सभी आरोप सही साबित हों। मगर इसी बीच अगर कहीं से मतगणना और नतीजों में हेरफेर की कोई शिकायत हर स्तर की जांच-पड़ताल के बाद अंतिम तौर पर सही पाई जाए, तो ऐसे में समूची प्रणाली भी संदेह के घेरे में आती है। जाहिर है, इसके बाद फिर नतीजे और उसके आधार पर बनी सरकारें भी कठघरे में होती हैं। गौरतलब है कि हरियाणा के पानीपत जिले के ग्राम पंचायत बुआना लखू में सन 2022 में हुए सरपंच के चुनाव के बाद जब नतीजों की घोषणा हुई, तभी इस पर विवाद उठा था। वह मामला तब जिला अदालत से होते हुए आखिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

ऐसी शिकायतें अब तक शायद ही किसी अंजाम तक पहुंची हों। मगर इस मामले में शीर्ष अदालत के फैसले ने पहली बार ईवीएम से चुनाव और मतगणना पर उठने वाले सवालों को मजबूत आधार दिया है। दरअसल, इस मामले में अदालत ने खुद ईवीएम मंगवा कर अपनी निगरानी में मतों की फिर से गिनती करवाई और पहले के नतीजे से अलग परिणाम घोषित किया। इसमें परिणाम पलट गया और पहले हार चुके प्रत्याशी को सरपंच बनाया गया।

जाहिर है, शीर्ष अदालत की इस कवायद के बाद अब ईवीएम के जरिए डाले गए मत और उसकी गिनती से लेकर किसी प्रत्याशी की जीत-हार की घोषणा तक की समूची प्रक्रिया की पारदर्शिता पर अगर सवाल उठते हैं, तो उसे बेमानी या निराधार घोषित कर पाना मुश्किल होगा। इस पूरे मामले से यह भी जाहिर होता है कि किसी चुनाव की पूरी प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है, ताकि विवाद की स्थिति में उनकी जांच हो और सारे संदेह दूर किए जाएं।

मोदी में है विषम परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की क्षमता

संजय सक्सेना

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा, तो वे जी-7 में भारत को अलग-थलग कर देंगे, उस पर टैरिफ लगा देंगे। ऐसे समय में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को देश और प्रधानमंत्री के साथ खड़ा होना चाहिये था, लेकिन विपक्षी नेता राहुल गांधी ट्विटर पर पोस्ट कर रहे थे'मोदी जी की विदेश नीति फेल हो गई है, जनता भुगत रही है।' दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन होने लगे, जहां लोग 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के नारे लगा रहे थे। यह सब इंडिया गठबंधन के नेता करा रहे थे। वहीं इससे विचलित हुए बिना मोदी मीटिंग में हर मंत्री से सवाल पूछ रहे थे इन प्रतिबंधों का क्या विकल्प हैं? क्या प्रभाव पड़ेगा? उनका तरीका है सुनना, विश्लेषण करना और फिर निर्णय लेना। वे कहते हैं, राष्ट्रहित पहले।

देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा हिन्दुस्तान कुछ देसी-विदेशी ताकतों की आंख की किरकिरी बन गया है। विदेशी ताकतों के साथ-साथ हमारे देश के कुछ नेताओं एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे बढ़ता भारत रास नहीं आ रहा है। विश्व की राजनीतिक हवाएं भारत के खिलाफ तेजी से बह रही थीं। इसके पीछे इन देशों के कुछ आर्थिक या राजनीतिक कारण हो सकते हैं लेकिन अपने ही देश को खाकर अपने ही देश को नीचा दिखाने में लगे रहने वालों के रवैये पर आश्चर्य होता है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों द्वारा भारत के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों की साजिश रची जा रही है। अजब तमाशा देखने को मिल रहा है कि जो अमेरिका अपने दुश्मन देश रूस से तमाम चीजें आयात करता है, वही भारत पर इस बात का दबाव डाल रहा है कि वह रूस की जगह अमेरिका से तेल खरीदे। ऐसा नहीं करने पर अमेरिका द्वारा भारत के ऊपर 50 फीसदी टैरिफ ठोक दी गई। क्योंकि अमेरिका के दबाव के बाद भी भारत ने रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बनाए रखा था। जबकि हकीकत यह है कि अमेरिका अपने कुछ उत्पाद, जिसमें मांसाहारी मिल्क प्रोडक्ट्स खासकर शामिल हैं, उसे भारत में खपाना चाहता है, लेकिन मोदी सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया तो कथित विश्व गुरु बौखला गया।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा, तो वे जी-7 में भारत को अलग-थलग कर देंगे, उस पर टैरिफ लगा देंगे। ऐसे समय में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को देश और प्रधानमंत्री के साथ खड़ा होना चाहिये था, लेकिन विपक्षी नेता राहुल गांधी ट्विटर पर पोस्ट कर रहे थे'मोदी जी की विदेश नीति फेल हो गई है, जनता भुगत रही है।' दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन होने लगे, जहां लोग 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के नारे लगा रहे थे। यह सब इंडिया गठबंधन के नेता करा रहे थे। वहीं इससे विचलित हुए बिना मोदी मीटिंग में हर मंत्री से सवाल पूछ रहे थे इन प्रतिबंधों का क्या विकल्प हैं? क्या प्रभाव पड़ेगा? उनका तरीका है सुनना, विश्लेषण करना और फिर निर्णय लेना। वे कहते हैं, राष्ट्रहित पहले। अंतरराष्ट्रीय दबाव से झुकना नहीं, बल्कि संवाद से समाधान निकालना होगा। उन्होंने निर्णय लिया कि भारत रूस के साथ व्यापार जारी रखेगा, लेकिन अमेरिका से बातचीत बढ़ाएगा।

इसी तरह से भारत को चीन की सीमा पर भी तनाव का सामना करना पड़ रहा था। उधर, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की घटनाएं फिर से सिर उठा रही थीं। देश के अंदर कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी सहित कई और दल भी नकारात्मक राजनीति पर उतर आए हैं। वे जनता को भड़काने में लगे हैं। कभी देश के प्रधानमंत्री को 'चौकीदार चोर है' कहकर अपमानित किया जाता है तो कभी आरोप लगाया जाता है कि मोदी सरकार तानाशाही चला रही है। इसी के साथ जनता से ठुकराये गये कुछ नेता और राजनीतिक दल बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के समर्थन के नाम पर आंदोलनों और अराजकता फैलाने लगते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को हर कदम पर कठिनाइयों का

सामना करना पड़ रहा है। मोदी इन विषम परिस्थितियों में कैसे काम करते हैं? कैसे लेते हैं महत्वपूर्ण निर्णय? यह यक्ष प्रश्न है, जहां दृढ़ता, रणनीति और राष्ट्रभक्ति की मिसाल मिलती है। इसको कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है।

एक बार, जब कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा था, डब्ल्यूएचओ और पश्चिमी देश भारत की वैक्सीन नीति पर सवाल उठा रहे थे। तब मोदी ने साहसिक निर्णय लिया था कि भारत स्वदेशी वैक्सीन पर फोकस करेगा। आज भी, 2025 में, जब अंतरराष्ट्रीय दबाव से देश की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, मोदी चट्टान के समान सामने खड़े नजर आ रहे हैं। मोदी जी का पहला सिद्धांत है डेटा आधारित निर्णय। वे कभी भावनाओं में बहकर फैसला नहीं लेते। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति से जनता भड़क रही हो, तो भी वे आंकड़ों पर भरोसा करते हैं। किसान आंदोलन के दौरान, जब मोदी सरकार पर किसान-विरोधी होने का आरोप लगाया जा रहा था, तब मोदी ने कृषि विशेषज्ञों से रिपोर्ट मंगवाई और कानूनों को वापस लेने का फैसला किया न कि दबाव में, बल्कि लंबे विचार-विमर्श के बाद।

देश के अंदर की चुनौतियां और भी कठिन हैं। विपक्ष नकारात्मक राजनीति कर रहा है। जनता को भड़काने के लिए फेक न्यूज फैला रहा है। जैसे, जब जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाई गई, विपक्ष ने कहा यह देश-विरोधी है, मुसलमानों के खिलाफ। प्रदर्शन हुए, अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भारत को बदनाम किया। लेकिन मोदी ने बिना विचलित हुए ग्राउंड लेवल पर टीम भेजी, स्थानीय नेताओं से बात की, विकास योजनाएं शुरू कीं। निर्णय लेते समय वे हमेशा दीर्घकालिक हितों का ध्यान रखते हैं। उनका तरीका है विपक्ष की राजनीति को अनदेखा कर, जनता के हित पर फोकस। वे रोजाना सोशल मीडिया मॉनिटर करते हैं न कि ट्रोल होने से डरकर, बल्कि जनता की नब्ज जानने के लिए। एक बार, जब हैशटैग 'फार्मर प्रोटेस्ट' ट्रेंड कर रहा था, उन्होंने खुद ट्वीट किया कि किसानों से बात हो रही है, समाधान निकलेगा। यह उनकी रणनीति है जनता से सीधा जुड़ना, विपक्ष के भड़कावे को बेअसर करना।

मोदी अकेले नहीं सोचते। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से वे रोज बात करते हैं। जब चीन की सीमा पर एलएसी पर तनाव बढ़ा, अंतरराष्ट्रीय दबाव था कि भारत पीछे हटे। विपक्ष ने कहा मोदी जी ने देश बेच दिया। लेकिन मोदी ने सेना को मजबूत किया, डिप्लोमेसी बढ़ाई। गलवान घाटी की घटना के बाद, उन्होंने निर्णय लिया कि बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च दोगुना किया जाएगा। यह फैसला विषम परिस्थिति में लिया गया, जब अर्थव्यवस्था दबाव में थी। लेकिन मोदी कहते हैं सुरक्षा पहले, बाकी बाद में।

ऐसी परिस्थितियों में काम करने का उनका रहस्य है अनुशासन और विजन। 2025 में, जब क्लाइमेट चेंज पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा, पश्चिमी देश भारत से कोयला छोड़ने की मांग कर रहे थे। मोदी ने सीओपी सम्मेलन में घोषणा की कि भारत नेट जीरो का लक्ष्य रखेगा, लेकिन अपनी गति से। विपक्ष ने इसे झूठा वादा कहा, जनता को भड़काया। लेकिन मोदी जी ने घरेलू स्तर पर सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स तेज किए। निर्णय लेते समय वे हमेशा बहुमत की राय नहीं सुनते, बल्कि सही क्या है, वह चुनते हैं। जैसे, डिमोनेटाइजेशन के दौरान, जब विपक्ष ने काला धन का शोर मचाया, मोदी जी ने कहा यह अर्थव्यवस्था को साफ करेगा। आज, डिजिटल पेमेंट्स की सफलता उसका प्रमाण है।

मोदी जी की स्टोरी प्रेरणादायक है। गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक का सफर आसान नहीं था। चाय बेचने वाले लड़के से विश्व नेता बनने में उन्होंने सीखा कि दबाव सहना पड़ता है। 2025 की इन विषम परिस्थितियों में, वे काम करते हैं सुबह योग से, दिन भर मीटिंग्स से, रात को प्लानिंग से। महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं डेटा, टीम और राष्ट्रहित पर आधारित। विपक्ष की नकारात्मकता को वे चुनौती मानते हैं, जनता को भड़काने की कोशिशों को संवाद से काटते हैं। अंतरराष्ट्रीय दबाव से झुकते नहीं, बल्कि भारत की आवाज बुलंद करते हैं। उनकी दृढ़ता से भारत आगे बढ़ता है। कुल मिलाकर मोदी में है विषम परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की क्षमता।

राष्ट्रीय एकता : संकट से परे, जीवन का संकल्प

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

जब किसी देश का हृदय अपनी समस्त धड़कनों को एक लय में सुनने लगे, तब वह केवल एक भौगोलिक सीमा नहीं रहता - वह एक जीवित आत्मा बन जाता है। भारत ने बार-बार यह प्रमाणित किया है कि विपत्ति की आहट मिलते ही वह अनेक भाषाओं, आस्थाओं और संस्कृतियों को भूलकर, एक परिवार की तरह खड़ा हो जाता है। कभी यह स्वर स्वतंत्रता की हुंकार में गूंजा, कभी सीमाओं पर सैनिकों के साहस में, कभी भूकंप, बाढ़ और महामारी में बढ़ते संवेदनशील हाथों में। हाल ही में ऑपरेशन 'सिंदूर' में भी यह भाव फिर सामने आया- मानो हम सब एक ही नाव में सवार हों, और लहरों से जूझते हुए एक-दूसरे को थामे हों।

यह तस्वीर जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही एक प्रश्नवाचक भी है - क्या हमारी एकता केवल संकट का इंतज़ार करती है? क्या हम केवल तब साथ खड़े होते हैं, जब खतरा हमारे दरवाज़े पर दस्तक देता है?

राष्ट्रीय एकता का अर्थ केवल आपदा में एकजुट हो जाना नहीं है; यह एक सतत भाव है, जो हर दिन, हर परिस्थिति में हमारे आचरण और दृष्टिकोण में दिखाई देना चाहिए। संकट में तो हम मजबूरी में हाथ थाम लेते हैं, पर शांति के दिनों में वही हाथ अक्सर अलग-अलग दिशाओं में खिंचने लगते हैं–भाषा, धर्म, जाति, प्रांत, राजनीतिक विचारधाराएँ हमें फिर से खेमों में बाँट देती हैं। वर्तमान में यह खतरा और स्पष्ट है। एक ओर जब राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक सुधार और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका जैसे मुद्दों पर समग्र सोच की ज़रूरत है। किंतु दुखद है कि विपक्षी दल कई बार ऐसे रुख अपनाते हैं, जो राष्ट्रीय सहमति के बजाय तात्कालिक राजनीतिक लाभ पर केंद्रित दिखते हैं। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान युद्धविराम तक सकारात्मक रुख अपनाना और फिर तुरंत स्वर बदल देना, या विदेश नीति जैसे संवेदनशील विषयों पर भी घरेलू राजनीति के चश्मे से बयान देना - ये प्रवृत्तियाँ एकता की स्थायी संस्कृति को कमजोर करती हैं।

आज की चुनौतियाँ केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि समाज के भीतर भी पनप रही हैं। डिजिटल युग में फेक न्यूज़, ट्रोल आर्मी और विभाजनकारी नैरेटिव एकता के धागे को लगातार कमजोर कर रहे हैं। ऐसे में केवल सत्ता पक्ष ही नहीं, बल्कि विपक्ष को भी यह मानना होगा कि राष्ट्रीय मुद्दों पर रचनात्मक सहयोग और स्थायी समर्थन ही लोकतंत्र को मज़बूत बनाते हैं। सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, पर राष्ट्रहित की बुनियाद पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

एकता की असली कसौटी तब है, जब हम विपरीत मत रखने वाले को भी सम्मान दें, जब हमारी संवेदनशीलता सीमित दायरे से बाहर निकलकर पूरे राष्ट्र के नागरिक के रूप में सोचने लगे। इसका अर्थ यह भी है कि हम क्षेत्रीय स्वार्थों और तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर, साझा भविष्य के हित में निर्णय लें। यदि हम चाहते हैं कि एकता केवल संकट की प्रतिक्रिया न रह जाए, तो हमें रोज़मर्रा के व्यवहार से इसे सींचना होगा - विद्यालयों की शिक्षा में, राजनीति की भाषा में, मीडिया के विमर्श में और नागरिक जीवन के प्रत्येक स्तर पर। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी, जिसमें विविधता विभाजन का कारण नहीं, बल्कि ताक़त का आधार बने। संकट में जन्मी एकता क्षणिक हो सकती है; किन्तु संस्कृति में पगी एकता कालातीत होती है। हमें अपने राष्ट्र के लिए उसी स्थायी, गहरे और जागरूक बंधन को गढ़ना है - जो किसी आपदा का इंतज़ार न करे, बल्कि हर दिन हमारे अभेद और समत्व की पहचान बने।

÷सच्ची एकता वह है, जो संकट के समय जन्म न ले, बल्कि संकट आने से पहले ही हर हृदय में बसी हो– ताकि जब तूफ़ान आए, हम पहले से ही एक नौका में हों, न कि किनारे से पुकार रहे हों।

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवलिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अकसर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी श्रृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि ÷मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूँ÷, उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है।

भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिशचंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराण प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को वीरव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा की थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टतौर पर व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- ÷हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है÷। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था।

डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- ÷ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठा साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा÷। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हलदे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसेनापति मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं के आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला।

शिकायतकर्ता की समस्या का स्वयं संज्ञान लें अधिकारी : डीएम

सोमवार को लगा सम्पूर्ण समाधान दिवस

ललितपुर। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्यायें सुनते डीएम-एसपी।

ललितपुर। शनिवार अवकाश के चलते आज सोमवार को सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी अमनदीप डुली ने तहसील में आये फरियादियों की शिकायतों को सुना और उनका जिम्मेदारी से निस्तारण कराया। अन्य तहसीलों में उपजिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधानव दिवस की अध्यक्षता की और समस्याओं का निस्तारण कराया।

जिलाधिकारी ने सदर तहसील में प्रत्येक शिकायतकर्ता को अपने समक्ष बुलाकर पूरी गंभीरता से उनकी समस्या सुनी और उन्हें भरोसा दिलाया कि जल्द ही उनकी समस्या का निस्तारण करा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि किसी भी शिकायत में अनावश्यक विलम्ब न हो, पीड़ित को त्वरित न्याय व राहत देना जिला प्रशासन का दायित्व है, जिसके लिए आप सभी यहां उपस्थित हुए हैं। शिकायतकर्ताओं की समस्या का स्वयं संज्ञान लें और व्यक्तिगत रुचि लेकर उसका निस्तारण सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं जनशिकायत प्रणाली की समीक्षा करते हैं, इसलिए कार्य में लापरवाही दण्डनीय होगी। अधिकारी पूरी निष्ठा से जनशिकायतों का निस्तारण करायें। इस दौरान एसपी मो.मुश्ताक, सीडीओ शेषनाथ चौहान, सीएमओ डा.इम्तियाज अहमद, एसडीएम सदर मनीष कुमार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

- तहसील ललितपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व विभाग के 4, पुलिस का 1, विद्युत के 2, विकास विभाग का 1 तथा अन्य विभागों के 11 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 5 प्रकरण का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील महरौनी में कुल 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 3, पुलिस के 4, विकास के 2, पूर्ति के 2, विद्युत का 1, नगर पंचायत के 2 तथा अन्य विभाग के 3 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 7 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील तालबेहट में कुल 35 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 12, विकास के 3, पुलिस के 7, पूर्ति के 10 तथा अन्य विभागों के 3 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 2 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण कराया गया।
- तहसील मड़ावरा में कुल 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें पूर्ति विभाग के 9 तथा विद्युत विभाग 1 प्रार्थना पत्र शामिल रहा।
- तहसील पाली में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में मात्र 8 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 6, पुलिस विभा का 1 तथा नगर पंचायत का 1 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 1 का मौके पर निस्तारण कराया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर सेनानियों को किया याद

ललितपुर। स्वतंत्रता दिवस पर पटवा समाज ने अपनी धरोहर को याद करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जानकी प्रसाद पटवा के चित्र का माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके बलिदान के फलस्वरूप वे आज खुली हवा में साँस ले पा रहे हैं।

उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लेते हुए स्वतंत्रता दिलाने में सहायक हुए हम उन्हें बारम्बार प्रणाम करते हैं। स्व. सेनानी गोकुल प्रसाद नामदेव एवं जानकी प्रसाद पटवा को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। अखिल भारतीय दर्जी युवा महासभा अध्यक्ष प्रेम नामदेव ने अपनी टीम के साथ रजवारा जाकर स्वतंत्रता सेनानी स्व.गोकुल प्रसाद नामदेव को फूलमाला पहनाकर कर और उनके परिवार के सदस्य को माला पहनाकर स्वतंत्रता दिवस की मनाया। इस दौरान अध्यक्ष प्रेम नामदेव, पटवा समाज जिलाध्यक्ष बासुदेव पटवा, युवा राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी सतेंद्र नामदेव, सुदामा प्रसाद नामदेव, विनोद नामदेव, सुरेंद्र नामदेव, वासुदेव पटवा ने कहा है कि वीर जवानों के शहादत में स्वतंत्रता सेनानी को याद करने वाले दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान सुरेन्द्र नामदेव, सुदामा नामदेव, जगदीश नामदेव, मुरलीधर नामदेव, अशोक नामदेव, अंश नामदेव, पं.शिव नारायण तिवारी, जगदीश राय, देवकीनंदन पटवा, कपिल पटवा, सागर पटवा, लालजी पटवा, सोहित, पवन पटवा, प्रथम, बंटी आदि मौजूद रहे।

जल्द छात्र संघ चुनाव नहीं, तो आँदोलन

समाजवादी छात्रसभा ने प्रदर्शन कर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

ललितपुर। राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपते छात्रसभाई।

ललितपुर। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव बहाली की माँग को लेकर समाजवादी छात्रसभा ने जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन राज्यपाल को भेजा है।

छात्रसभा जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विगत कई वर्षो से छात्र संघ के चुनाव बंद कर दिए गए हैं। अगर चुनावों को ऐसे ही स्थगित रखा गया तो राजनीति में छात्र कैसे आगे बढ़ेंगे। क्योंकि छात्र जीवन ही राजनीतिक दृष्टि से राजनीति की प्रथम सीढ़ी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्र संघ चुनाव बहाल नहीं हुए तो छात्र सभा आन्दोलन को बाध्य होगी। उन्होंने पिछड़े, दलित, वंचित छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए छात्र संघ चुनाव बहाल कराने की मांग की। इस दौरान राजकुमारी गौतम, अरशद, तुलसीराम अहिरवार, आकिब खान, संजय रजक, शुभी यादव, रिचा वर्मा, रुचि यादव, मोनिका, अंजलि, रवि खटीक, दीपक सेन, अमन खान, विशाल रजक, अमन झा, शहरोज खान, महिपाल, अभी जैन, शिवांश लिटौरिया, यागवेन्द्र फौजपुरा, अमन यादव, अमित कुशवाहा, अनस अहमद, रॉबिन यादव, अमित, सुनील पाल, पुष्पेंद्र यादव, भगवानदास पाल, गौरव यादव, मुलायमसिंह यादव, आमिर खान, अंकुश, कृष्णपाल, रवेंद्र कुशवाहा, यशपाल, विजय यादव, दीपेश, अभिषेक, राजाराम लोधी, रितिक, राजपाल, अंशिव, विशाल पटेल, ललित वर्मा, रविकांत, दीपचंद, अंशुल, विक्की, विनय रजक, कृष्ण कन्हैया, सौरव, आलोक योगी, रोहित रजक, राघवेंद्र, हरदयाल राजपूत, नीरज, निखिल, नरेंद्र आकाश, सुशील, प्रदीप, उमेश, कृष्णकांत, प्रदीप, शिवा, शुभम, अखिलेश सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम में आये एडीजी, प्रशिक्षण में बताई बारीकियाँ

ललितपुर। विद्यार्थियों के साथ एडीजी।

ललितपुर। अपर पुलिस महानिदेशक रुल्स एवं मैनुअल एल.वी.एन्टोनी देवकुमार व पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक द्वारा पुलिस लाइन सभागार में छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को पुलिसिंग की प्रक्रियाओं, कानून- व्यवस्था की समझ प्रदान की गयी। उन्हें कानून का पालन करने वाले जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। छात्रों में सामाजिक कर्तव्य और जिम्मेदारियों के प्रति जागरुकता बढ़ाई गयी तथा सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा और साइबर क्राइम के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गई। पुलिस और छात्रों के बीच संवाद स्थापित कर, आपसी विश्वास बढ़ाने के प्रति जागरुक किया गया। बताते चलें कि एडीजी एण्टोनी देवकुमार ललितपुर के पुलिस अधीक्षक और झाँसी के डीआईजी रह चुके हैं।

डीआईजी की ओर से नव प्रशिक्षितों को खिलाया गया वृहद भोज

ललितपुर। पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र ने पुलिस लाइन में आरटीसी प्रशिक्षण कर रहे रिक्रूट आरक्षियों को बड़ा खाना का आयोजन किया। यहां डीआईजी झांसी के साथ पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो.मुश्ताक व जिलाधिकारी अमनदीप डुली ने मिलकर रिक्रूट आरक्षियों को अपने हाथों से भोजन पर्स कर उनके साथ भोजन किया। डीआईजी ने रिजर्व पुलिस लाइन्स में प्रचलित आरटीसी हेतु नवनिर्मित क्लासरूम का उद्घाटन कर क्लासरूम का निरीक्षण कर सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह के साथ समस्त क्षेत्राधिकारी सहित रिक्रूट आरक्षी मौजूद रहे।

मंत्री पुत्र पर व्यापारी नेता ने लगाया धमकाने का आरोप

ललितपुर। राज्यमंत्री पुत्र पर व्यापारी नेता को फोन करके धमकाने का आरोप लगा है। इस सम्बन्ध में व्यापारी नेता ने एक लिखित शिकायती पत्र पुलिस अधीक्षक को भेजते हुये जानमाल की सुरक्षा कराये जाने की माँग की है।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष सुभाषपुरा निवासी सुमित अग्रवाल ने एफआईआर दर्ज कर जाँच और कार्यवाही की माँग करते हुये बताया कि उसका एक प्लाट आईटीआई कालोनी के पास स्थित है। आरोप है कि उक्त प्लाट पर शहर के भू-माफियाओं की नीयत काफी खराब है। आरोप लगाया कि राज्यमंत्री के पुत्र उक्त जमीन को हथियाना चाहते हैं। इसी के चलते बीती 17 अगस्त को शाम करीब 4.38 बजे उसकी मवेशी बाजार स्थित दुकान पर आये और जमीन की रजिस्ट्री करने के लिए दबाव बनाने लगे, जिस पर उन्होंने मना कर दिया। आरोप है कि रात करीब 8.15 बजे मंत्री पुत्र का फोन आया, जिसमें उन्होंने गाली-गलौज करते हुये आईटीआई वाले प्लाट पर जाने पर जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद से व्यापारी नेता व उसका परिवार काफी भयभीत है। व्यापारी नेता ने यह भी बताया कि उस पर पूर्व में भी गोली मारकर जानलेवा हमला किया जा चुका है। व्यापारी नेता ने सुरक्षा प्रदान किये जाने और मामला दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की माँग उठायी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाऐंगे जल विहार, तैयारी बैठक में जिम्मेदारियाँ तय

ललितपुर। जल विहार पर्व की तैयारी बैठक में मंथन करते पदाधिकारी।

ललितपुर। श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति की व नगर के गणमान्य नागरिकों, मंदिरों के प्रबंधक एवं पुजारियों एक बैठक तालाबपुरा स्थिति धनुषधारी मंदिर पर अशोक पटैरिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें 3 सितंबर दिन बुधवार को जलबिहार पर्व (डोल ग्यारस) पर्व परंपरागत श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाए जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार कर व्यवस्थाएं सौंपी गई। बताया गया कि आगामी 3 सितंबर दिन बुधवार को श्रीरघुनाथ जी मंदिर चौबेयाना से शाम 5 से सभी मंदिरों के विमान की शोभायात्रा रघुनाथ जी मंदिर से प्रारंभ होगी। विमान में विराजे भगवान बांके बिहारी गाजे बाजे के साथ जल बिहार के लिए सुमेरा तालाब को रवाना होंगे। यह शोभायात्रा अपने परंपरागत मार्ग से चौबयाना, रावरपुरा, सुभाषपुरा, घंटाघर, वीर सावरकर चौक, तालाबपुरा होते हुए सुमेरा तालाब पर पहुंचेगी। यहां पवित्र गंगाजल से भगवान बांके बिहारी का अभिषेक होगा उसके बाद महाआरती होगी। रात्रि 8 बजे के बाद सभी विमानजी वापस सावरकर चौक से कटरा बाजार गणेश झांकी स्थल पहुंचेंगे, यहां आरती के पश्चात जगदीश मंदिर व घंटाघर स्थित थानेश्वर मंदिर पहुंचेंगे, जहां महाआरती होगी। इसके पश्चात विमान अपने-अपने देवालयों के लिए प्रस्थान करेंगे। इस आयोजन को और भव्य बनाने के लिए सड़क सुरक्षा प्रशासन व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था के लिए समिति का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, नगर पालिका प्रशासक से मिलेगा। बैठक में समिति अध्यक्ष पं.बृजेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. श्यामांकांत चौबे, उपाध्यक्ष राजेश दुबे, प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, संयोजक पं.जगदीश पाठक, ऑडिटर चंद्रशेखर राठौर, भारत रिछारिया, शिवकुमार शर्मा, धर्मेंद्र चौबे, अवधेश कौशिक, पं.मुन्नालाल त्यागी, रवींद्र पाठक, समीर चौबे, डा.दीपक चौबे, शरद खैरा, गोविंद नारायण रावत, पवन शास्त्री, राजू सिंधी, कृष्णबिहारी मिश्रा, राजीव कटारे, विलास पटैरिया, सुनील कुमार, ओपी रिछारिया, जगत नारायण रावत, मथुरा प्रसाद सोनी, कृष्णकांत सोनी, सुबोध गोस्वामी, हरिशंकर, सौरभ शर्मा, डा.जयप्रकाश चौबे, सचिन साहू, रामप्रसाद, वासुदेव पटवा, पीयूष दुबे, राजीव सुडेले, अखिलेश शांडिल, प्रभाकर शर्मा, ब्रजेश नारायण तिवारी, रविकांत तिवारी, सतेंद्र प्रताप सिंह, उपदेश आचार्य, महेश नामदेव, शिव सहाय पाठक, गोकुल प्रसाद यादव, रमेश कुशवाहा, राकेश तिवारी, राकेश विश्वकर्मा, संजय पाठक, रजनीश गिरी, अभिषेक निरंजन, आशीष तिवारी, दीपक जायसवाल, शैलेष, शुभम कौशिक, लखनसिंह परिहार, आर.बी.पस्तोर, कमलेश सेन, गिरीश चौबे, अरविंद संज्ञा, रज्जन चतुर्वेदी, नरेंद पाठक, रामेश्वर मालवीय, नवल किशोर सोनी, आशाराम बरार, खुशाल बरार, महेश कुमार बरार, शिव प्रसाद, मनीष पाठक, पंकज सोनी, गिरीश बाबा, संजय त्रिवेदी, सुरेंद्र मोहन शास्त्री, प्रमोद गोस्वामी, गोविंद त्रिपाठी, पं.शिवकुमार चतुर्वेदी, कुलदीप गोस्वामी, किशन सिंह, शरद सोनी, चंद्रशेखर, हरिशंकर आदि उपस्थित थे। संचालन उपाध्यक्ष राजेश दुबे ने किया व आभार प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा ने जताया।

खड़ोबरा गांव में दो पक्षों में धारदार हथियार से बवाल, क्रॉस केस दर्ज

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम खड़ोवरा में बीते शनिवार रात को दो पक्षों में जोरदार विवाद हो गया। इस झगड़े में धारदार हथियारों से हमला करने और जान से मारने की धमकी दिये जाने के मामले दर्ज हुये हैं।

ग्राम खड़ोवरा निवासी रघुवीरशरण पुत्र रोशनलाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रात करीब 8 बजे वह घर के पास दुकान पर बैठा था, तभी रामसेवक, रोशनलाल को बेवजह गालियां देने लगा। विरोध करने पर रामसेवक पुत्र निरपत, रविन्द्र पुत्र शरमन, शरमन पुत्र निरपत, राजेन्द्र पुत्र रामसेवक, राजवीर पुत्र रामसेवक व सिमिरिया निवासी दामाद विकास ने अपने एक अज्ञात व्यक्ति के साथ एकराय होकर आये और मारपीट करने लगे। इसके अलावा विनीता, उर्मिला, रोशन, लाड़कुंवर, सोनी इत्यादि एकराय होकर आये और गालियाँ देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की व धारदार हथियार व अन्य हथियारों से हमला किया, जिससे महिलाएं घायल हो गयीं। आरोप है कि रघुवीर छोटे बच्चों को लेकर कमरे में घुसकर जान बचाने के लिये दौड़ा। पूरे घटनाक्रम की रिकॉर्डिंग मौजूद है। आरोप है कि एक महिला का मंगलसूत्र विवाद में कहीं गिर गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 352, 115 (2), 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। - दूसरे पक्ष की ओर से रामसेवक अहिरवार पुत्र निरपत अहिरवार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि करीब दो माह पहले एक महिला ने आत्महत्या कर ली थी, जिस कारण रोशन के परिजनों को पुलिस ने पकड़ा था। बताया कि इसी बात को लेकर उक्त लोगों ने रोशन पुत्र गरीबा, रघुवीर पुत्र रोशनलाल, बलवीर पुत्र रोशन, सोनी पुत्र गरीबा से कहने लगा कि परिवार के सदस्य के कारण उसके परिजन जेल चले गये। इसी बात को लेकर मारपीट कर दी। आरोप है कि उक्त लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर बीएनएस की धारा 352, 115 (2) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ललितपुर की लोक गायिका का महोबा में शानदार लोकगायन

ललितपुर। प्रस्तुति देती लोक गायिका अभिलाषा।

ललितपुर। नगर परिषद महोबा में आयोजित कजली मेला महोत्सव कीरत सागर तट पर ललितपुर की बुंदेली लोक गायिका अभिलाषा वर्मा के लोग गायन के मधुर गूंज से दर्शक झूम उठे। 15 अगस्त और श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर देशभक्ति लोकगीत व लोकभजन प्रस्तुत कर अभिलाषा वर्मा ने सभी दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। बुंदेली माटी की महिमा अपार ईके गौरव की गाथा सुनावे संसार और सपन गांधी के सच कर दिखानें है, हमें धरती पर स्वर्ग ले आने है। अंत में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर सुंदर भजन भये प्रकट परम सुखधाम जगत रखवाले। गाकर सभी दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगर पालिका डा.सन्तोष चौरसिया, ईओ नगर परिषद अवधेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजमणि, क्षेत्रीय मुख्यालय प्रभारी कानपुर से अजय शुक्ला, लोकसभा सदस्य जिला पंचायत तेजस शिवहरे, सीडीओ, पर्यटन अधिकारी चित्रगुप्त नायक आदि मौजूद रहे। जिला विकास संरक्षण समिति व नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में आयोजित कजली महोत्सव में लोक गायिका अभिलाषा वर्मा को शॉल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया गया।

अब हर दिल में कंस बैठा है, धरती पर श्रीकृष्ण का अवतार होना चाहिए

स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी पर कवि सम्मेलन सम्पन्न

ललितपुर। कौमी एकता की प्रतीक साहित्यिक संस्था 'हिंदी उर्दू अदबी संगम' के बैनर तले स्थानीय एक विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि काका ललितपुरी ने की। संचालन संस्थाध्यक्ष रामकृष्ण कुशवाहा एडवोकेट किशन ने किया।

किशन ने सुनाया 'कलयुग की महाभारत के तुम ही कृष्ण और अर्जुन हो, दुष्टों का संहार होना चाहिए, पहले एक कंस था अव हर दिल में कंस बैठा है धरती पर श्रीकृष्ण का अवतार होना चाहिए'। सुमनलता शर्मा चांदनी ने सुनाया 'प्रेम में दीवानी हो गई बृजभान की लली, अपने नंदलाल को ढूंढ रही है गली-गली' कवि पुरुषोत्तम नारायण ने पढ़ा 'हिंदू मुस्लिम सिख इसाई सब मिलकर खाओ मिठाई' राधेश्याम ताम्रकार ने सुनाया 'शहादत में हमको नया कुछ नहीं, हम तो पैदा हुए हैं वतन के लिये' वरिष्ठ अधिवक्ता चौधरी राजाराम खटीक ने शेर सुनाया 'एकता के गुलशन में खिलते हैं फूल, नफरत की बंजर धरती पर उगते हैं बबूल' एम.आर.खान ने पढ़ा 'दिल जिगर जान है यारो, मेरा भारत महान है यारो' अंत में अध्यक्षता कर रहे काका ललितपुरी ने सुनाया 'इस दिन मुक्त हुआ था भारत यह दिन बहुत है प्यारा, भारतवर्ष हमारा है भारत वासी का नारा' कार्यक्रम में रामप्रकाश शर्मा, परिचय नामदेव, राजेश राठौर, बृजेश श्रीवास्तव, मनी कुशवाहा, दयाचंद, नैतिक, चंचल, दीपिका, रामदेवी कुशवाहा, अंजली यादव, मीरा नामदेव, अंजलि, दिव्या, अन्य, वंदना, राधिका, आयुषी, सिद्धि, आशी आदि श्रोतागण उपस्थित थे। अंत में संयोजक रामस्वरूप नामदेव ने आभार व्यक्त किया।

क्षत्रिय समाज पर भद्दी टिप्पणी करने से आक्रोश

रघुनाथपुरा के दो युवकों के खिलाफ श्रीराजपूत करणी सेना ने एसपी को भेजा ज्ञापन

ललितपुर। एसपी को ज्ञापन सौंपने आये करणी सेना पदाधिकारी।

ललितपुर। सोशल मीडिया पर क्षत्रिय समाज को टारगेट करके एक वीडियो बनाकर अपलोड किये जाने से आक्रोशित श्रीराजपूत करणी सेना ने पुलिस अधीक्षक को संबोधित करते हुये एक ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की माँग की है।

ज्ञापन में श्रीराजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष सत्यप्रताप सिंह परमार ने बताया कि विगत दिनों सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम व फेसबुक पर रवि मौर्या के नाम से आई.डी. बनाकर ग्राम रघुनाथपुरा में रहने वाले दो युवकों ने क्षत्रिय समाज को टारगेट करके उक्त लोगों के द्वारा भद्दी-भद्दी गालियां सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया था, जिससे सभी क्षत्रिय समाज में काफी आक्रोश व्याप्त है। सेना ने पुलिस अधीक्षक से ऐसे समाज विरोधी लोगों के विरूद्ध मामला दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है, ताकि ऐसे कृत्यों की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन देते समय जिलाध्यक्ष सत्यप्रताप सिंह, अजय प्रताप सिंह तोमर, गौरव सिंह, आनंद सिंह, भूपेन्द्र सिंह परमार, वीपेन्द्र सिंह परमार, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, अभिराज राजा, अमर सिंह गौर, अक्षय राजा, अंगद सिंह, संदीप सिंह, दीपेन्द्र सिंह, राजवर्द्धन सिंह, साहब सिंह बुन्देला, धीरज राजा, उदयसिंह परिहार, रमाकान्त चौबे, वीरू राजा, विकास राजा, बन्टी राजा, सुरेन्द्र पाल सिंह गौर, दानवीर सिंह, सोनू राजा के अलावा अनेकों लोग मौजूद रहे।

भूमि पर कब्जा करने वालो को करे बाहर

सम्पूर्ण समाधान दिवस मे मंडलायुक्त-डीआईजी ने सुनी फरियाद

चित्रकूट। फरियादियो की समस्या सुनते मंडलायुक्त व डीआईजी।

चित्रकूट। मंडलायुक्त और डीआईजी की अध्यक्षता में तहसील सभागार राजापुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। प्राप्त समस्याओं के निस्तारण के लिये संबंधित को निर्देश दिए।
संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखकर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है, उन समस्याओं के निस्तारण से समस्या ग्रस्त व्यक्ति को भी अवगत कराया जाए। भूमि सम्बन्धित मामलों पर उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी व बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी से कहा कि राजस्व, चकबंदी एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर भूमि संबंधी मामलों को प्राथमिकता पर कब्जा मुक्त कराया जाये।

डीएम ने समस्या का किया निस्तारण

चित्रकूट। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील सभागार मानिकपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई में जमीन, नाला, चकरोड, तालाब, विद्युत, जल जीवन मिशन से सम्बन्धित जो समस्याएं आती है उसका निस्तारण कराए। जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जमीन संबंधित समस्या को पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर स्थलीय निरीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण कराया जाए।

जुलूस-ए-मोहम्मदी में डीजे नहीं बजेगा, पटाखे नहीं जलेंगे

■ सीरत कमेटी ने की अपील, बोले- जो हमारे नबी को नापसंद, उसे करने से बचें

झांसी जयूसं। मरकज़ी मस्जिद में सीरत कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इसमें जिम्मेदारों ने कहा- इस साल ईद-मिलाद-उन-नबी का जुलूस जोश और जज्बे के साथ निकाला जाएगा। लेकिन जुलूस में पटाखे और डीजे बजाने पर मनाही है। कमेटी ने अपील कर कहा कि तेज आवाज और आतिशबाजी जैसे चीजें हमारे नबी ने नापसंद की हैं।
सैंयर गेट बाहर स्थित मरकज़ी मस्जिद में सीरत कमेटी के अध्यक्ष सलीम उर्फ सल्लू चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें मुस्लिम समाज के जिम्मेदारों ने भाग लिया। बैठक में उलेमाओं ने इस्लाम के आखिरी पैगम्बर मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहिवस्सलाम की सीरत पर रोशनी डालते हुए कहा कि हमारे नबी की यौम-ए-पैदाइश को इस बार भी हम ईद-मिलाद-उन-नबी के तौर पर मनाने जा रहे हैं।
लेकिन हमें ये भी ख्याल रखना है कि जो हमारे पैगम्बर को पसंद नहीं, उस अमल को हम न करें। सभी ने एक राय होकर जुलूस में शामिल होने वाले लोगों से अपील की कि इस बार जुलूस में डीजे और पटाखे जैसी चीजें न लाएं। कहा कि ये अमल हमारे नबी को न पसंद है। हम उन पैगम्बर की उम्मत हैं, जिन्होंने खुद तकलीफ उठाई लेकिन दूसरों को तकलीफ नहीं होने दी।

ये रहेगा जुलूस का रूट

सीरत कमेटी के महासचिव नूर अहमद मंसूरी एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी जुलूस ए मोहम्मदी की तारीख तय नहीं है। लेकिन चांद के मुताबिक जुलूस निकाला जाएगा। जो मरकजी मस्जिद से पैगाम ए अमन परचम के साथ उठेगा और बाहर सैंयर गेट, ओरछागेट, सुभाष गंज, बड़ा बाजार, गन्दीगर टपरा, सर्राफा बाजार, मानिक चौक होते हुए रानी महल के रास्ते गुलाम चौराहा पहुंचेगा। यहां जलसे के साथ जुलूस पूरा हो जाएगा।

जुलूस में ये रहे मौजूद

बैठक में सीरत कमेटी के अध्यक्ष चौधरी मसरूर, कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी मोहम्मद मुस्लिम, चौधरी शाहनवाज, मिर्जा करामात बेग, तनवीर आलम, रईस खान, फुरकान खान, नदीम रजा, अतहर अली, रिहान खान, एडवोकेट जमील अहमद, मोहम्मद जमील उर्फ भूरे, वसीम रजा पत्रकार, राशिद पठान पत्रकार, कलम कुरैशी पत्रकार, आबिद अब्बास जैदी, राशिद बरकाती, अनीस राइन, हबीबुर्रहमान, ताहिर खान समेत तमाम जिम्मेदार नागरिक मौजूद रहे। कमिटि के महासचिव एडवोकेट नूर अहमद मन्सूरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

वारंटी दबोचा

चित्रकूट। थाना सरधुवा उनि चन्द्रमणि पाण्डेय ने अभियुक्त राजू सिंह पुत्र मुन्नू सिंह, नीतीश उर्फ छोटू पासवान निवासी ग्राम उमरवल थाना पिपरी कौशांबी को गिरफ्तार किया।

तरौहां मे हो रहा लाखो का नालबंद जुआं

चित्रकूट। पुलिस की मिलीभगत से इन दिनो तरौहां मे नषे का कारोबार और लाखो रूपये का नालबंद जुआं तथाकथित गुंडो द्वारा कराया जा रहा है। तमाम मुहल्लेवासियो ने कोतवाल और सीओ को इसकी जानकारी भी दी लेकिन पुलिस आज तक मौके पर नही पहुंची। जुआ और नषे का कारोबार निर्बाध गति से चलाया जा रहा है। नालबंद जुएं को एक महिला उषा देवी खिलवा रही है। यह जुआ सोनेपुर मुख्य नहर की मषीन के अंदर खिलाया जा रहा है। इसमे बांदा, बबेरू, बिसण्डा, षिवरामपुर, पडरी, बनाडी, डिलौरा, सोनेपुर के नामचीन जुआडी हिस्सा लेते है। जुएं के अंदर पैसा ब्याज मे देने क लिये ब्यौहर भी मौजूद रहते है। यह ब्यौहर 20 प्रतिषत की दर से जुआडी को पैंसा देते है जीतने पर तत्काल पैंसा वापस किया जाता है हारने मे दो दिन का समय दिया जाता है। इसके आगे किले मे भी जुएं की फड सजती है। स्थानीय लोग ही नालबंद जुएं को अंजाम देकर अपनी रोजी रोटी चला रहे है। उनका कहना है कि उन्होने कई बार पुलिस को सूचना दी लेकिन पुलिस आज तक जुआडियो के खिलाफ कार्रवाई नही कर सकी। तरौहां इंचार्ज पर भी लोगो ने उगली उठायी है। इसके पहले जिला मुख्यालय के सोनेपुर गहिरानाथ, खंडो बाबा, फक्कड बाबा आश्रम, गोल तालाब, भुइहरी, निबिहापुरवा मे लाखो रूपये का नालबंद जुआ खिलाया जा रहा था। उन जगहो पर पुलिस ने छापेमारी कर जुआडियो को गिरफतार किया था। इधर पुलिस की निष्क्रियता से समाज मे व्याप्त अपराध नषा और जुआं चरम पर है। ऐसा नही है कि कोतवाली पुलिस के कारखासो को इन जुएं के अड्डो की जानकारी नही है फिलहाल पुलिस नदी किनारे वाले जुएं को पकडने के लिये हांथ खडे कर रही है।

शहरभर मे चोरो की दहषत, पुलिस गश्त नाकाफी

चित्रकूट। अज्ञात चोरो की दहषत से न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र के वाषिंदे बल्कि शहरी क्षेत्र के लोग भी हैरान है। पुलिस की गष्त को लोग नाकाफी बता रहे है। यह भी बताया जा रहा है कि इन बदमाषो मे दो महिलाये है जो लोगो के घरो का दरवाजा खुलवाती है और उनसे खाने के लिय रोटियां पानी मांगती है पीछे से छह सात लोग साथ चल रहे सीधे अंदर घुस जाते है और जहरीला पाउडर सुंघाकर बेहोष कर दिया जाता है घर मे रखा सारा सामान लूटकर फरार हो जाते है। यह दहषत तरौहां के महापात्र टोला, जनसेवा इंटर कालेज खटकाना, बनाडी, पडरी, लोसरियन समेत दर्जनभर गांव से अधिक गांव मुहल्लो मे व्याप्त है। बाजार मे इन अज्ञात चोरो के बारे मे अजीब सी दहषत है लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे है यह अलग बात है कि यह चोर पुलिस के हत्थे नही चढ रहे।

बबीना में दस दिनों में दो बाइक चोरी:शराब दुकान के बाहर से अपाचे गायब, कबाडी बाजार से भी चोरी

बबीना झांसी । झांसी के बबीना में चोरों ने एक बार फिर वारदात को अंजाम दिया है। बीती रात शराब की दुकान के बाहर से एक अपाचे मोटरसाइकिल चोरी हो गई।
टपरियन गांव के विकास यादव शराब की दुकान पर सेल्समैन हैं। वह अपनी अपाचे मोटरसाइकिल (नंबर [illegible]3[illegible]2366) दुकान के बाहर खड़ी कर अंदर काम कर रहे थे। रात करीब 10 बजे जब वह दुकान बंद कर बाहर आए तो मोटरसाइकिल गायब थी।
विकास ने आसपास पूछताछ की। कोई जानकारी नहीं मिलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।
इससे पहले दस दिन पहले कबाड़ी बाजार से भी एक मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। पुलिस अभी तक उस मामले में कोई सुराग नहीं ढूंढ पाई है। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है।

मोठ कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण

एसएसपी ने की व्यवस्थाओं की जांच, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी में लापरवाही पर चेतावनी

मोठ । झांसी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने सोमवार को मोठ कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया। एसएसपी ने थाना परिसर, कार्यालय और विभिन्न विभागों की बारीकी से जांच की।
उन्होंने सीसीटीएनएस, आईजीआरएस, महिला हेल्प डेस्क और मालखाना का निरीक्षण किया। अभिलेखों की प्रविष्टियों की जांच के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में किसी तरह की गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जाएगी।
एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि वांछित अपराधियों और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी प्राथमिकता से की जाए। महिला हेल्प डेस्क पर आने वाली शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।
मालखाने में जब्त सामान और साक्ष्यों की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की गई। एसएसपी मूर्ति ने कहा कि थाना जनता के भरोसे का केंद्र होना चाहिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को याद दिलाया कि पुलिस की पहचान ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से होती है।
निरीक्षण के दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। एसएसपी की सख्ती को देखते हुए सभी अधिकारी और कर्मचारी सतर्क नजर आए।

जीवात्मा एवं परमात्मा का मिलन है महारास : कृष्णा शास्त्री

गुरसरांय। तालाब माता मंदिर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन भगवान के महारास लीला की कथा का वर्णन किया गया।
भागवताचार्य पं कृष्णा शास्त्री ने भगवान की दिव्य महारास लीला का वर्णन करते हुए कहा कि जीवात्मा एवं परमात्मा का मिलन ही महारास लीला है।यह साधारण स्त्री पुरुष के मिलन की लीला नहीं है।सभी गोपियाँ दिव्य आत्मायें है,जो निरंतर कृष्ण रस का पान करने को लालायित रहतीं है।भगवान रस स्वरूप है,और उस रस स्वरूप परमात्मा के रसास्वादन की विधि का नाम ही महारास है।संगीतमय कथा में माधव,अंकित ,रमन ने संगत की।
कथा की आरती परीक्षित श्रीमती रमा बहिन जी,रिम्या,राखी, रश्मि आदि ने की।
इस मौके पर समाजसेवी प्रसिद्ध नारायण सिंह यादव,पूर्व चेयरमैन गोपीनाथ बक्शी,राम कुमार कुशवाहा,मुन्नालाल सोनी,गणेश चतुर्वेदी, डॉ सुकदेव व्यास,शिशुपाल सिंह सरस,अखिलेश तिवारी सुट्टा,सुरेन्द्र कुमार मिश्रा,पं विनोद स्वामी,सरजू शरण पाठक,देवेन्द्र घोष, आदि उपस्थित रहे।

महंत ने गुर्गो के साथ मिलकर श्रद्धालु को पीटा

रैपुरा थाने मे दी तहरीर

चित्रकूट। मारपीट मे घायल श्रद्धालु ।

चित्रकूट। मंदिर मे दर्षन करने आये श्रद्धालुओ पर महंत और उसके गुर्गो ने लाठी डंडो से पीटकर घायल कर दिया। तर्क दिया कि सुबह से 12 बजे तक ही श्रद्धालु पूजा कर सकते है इसके अलावा प्रतिबंध लगाया गया है। महंत भरत दास की गुंडई इतने तक ही सीमित नही है अब तक मंदिर के आसपास रहने वाले और आवागमन करने वाले श्रद्धालुओ को भी इसका कोपभाजन बनना पडा है। श्रद्धालु पहले भी महंत भरत दास और उनके चेलो पर मारपीट, जानलेवा हमला समेत जमीनो पर कब्जा कराने को लेकर पुलिस पर एफआईआर दर्ज करा चुके है। मंदिर मे पिछले दस सालो से पूजा करते आ रहे श्रद्धालु रामेष्वर उपाध्याय ने बताया कि पहले उसे महंत ने पूजा करने से मना किया जब वह माना तो महंत भरत दास, जगत तिवारी, आषीष तिवारी और भुनगा ने उसकी लाठियो से पिटाई कर दी। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया साथ मे गये भतीजे ने डायल 112 को फोन किया जब तक पुलिस पहुंचती तब तक श्रद्धालु भागकर रैपुरा थाने आया। पुलिस ने घायल श्रद्धालु को जीप मे बैठा कर उसका इलाज कराया। उसका प्रार्थना पत्र लेकर रिपोर्ट दर्ज की है।

टहरौली में तहसील समाधान दिवस

10 शिकायती पत्रों में से 2 का निस्तारण, अधिकारियों ने दिए मौके पर जाकर समाधान के निर्देश

झांसी । टहरौली किला के तहसील सभागार में सोमवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 10 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। इनमें राजस्व विभाग से 4, पुलिस विभाग से 2, ब्लॉक से 2, बिजली विभाग से 1 और अन्य विभाग से 1 शिकायती पत्र शामिल था। राजस्व विभाग से संबंधित दो शिकायती पत्रों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अपर जिला अधिकारी न्यायिक अरुण कुमार गौड़ ने अधिकारियों को शिकायतों के समाधान के लिए मौके पर जाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी गौरव आर्य, तहसीलदार ज्ञान प्रकाश और राजस्व विभाग के लेखपाल उपस्थित रहे।

नुनार में महिला को सांप ने काटा-सीएचसी में चल रहा इलाज, स्थिति गंभीर

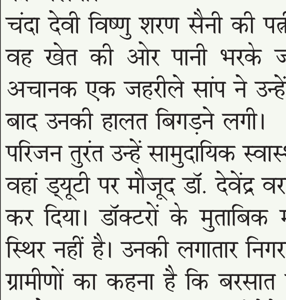

गुरसरांय । गरौठा थाना क्षेत्र के ग्राम नुनार में सोमवार रात एक सर्पदंश की घटना सामने आई। खेत में पानी भर कर जा रही 50 वर्षीय चंदा देवी को सांप ने काट लिया।
चंदा देवी विष्णु शरण सैनी की पत्नी हैं। रात करीब 8 बजे वह खेत की ओर पानी भरके जा रही थीं। इसी दौरान अचानक एक जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी।
परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसरांय ले गए। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉ. देवेंद्र वरया ने उनका इलाज शुरू कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक महिला की हालत अभी स्थिर नहीं है। उनकी लगातार निगरानी की जा रही है।
ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में खेतों और रास्तों पर अक्सर सांप दिखाई देते हैं। इससे गांव के लोगों में डर का माहौल बना रहता है।

झांसी-कानपुर नेशनल हाईवे पर बाइक सवार घायल

■ मेडिकल कॉलेज रेफर, हालत नाजुक

मोठ। कानपुर नेशनल हाईवे (एनएच-27) पर सोमवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। यह दुर्घटना मोठ कोतवाली क्षेत्र के अनिल ढाबा के पास सुबह लगभग 8 बजे हुई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।
जानकारी के अनुसार, आजाद नगर निवासी 30 वर्षीय इरफान पुत्र मुमताज सोमवार सुबह झांसी की ओर जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इरफान नशे की हालत में बाइक चला रहा था। इसी दौरान अनिल ढाबा के पास अचानक उसका नियंत्रण बिगड़ गया और बाइक फिसलकर सड़क पर गिर गई।
दुर्घटना के बाद इरफान बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही देर में 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को मोठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वहां इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. देवेंद्र कौशल ने प्राथमिक उपचार किया। लेकिन इरफान की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।
स्थानीय लोगों ने बताया कि नेशनल हाईवे पर आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं। खासकर नशे की हालत में वाहन चलाने वाले चालक न केवल अपनी बल्कि अन्य राहगीरों और यात्रियों की जिंदगी को भी खतरे में डाल देते हैं।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

मोंठ । झांसी के पूंछ थाना क्षेत्र के ग्राम तिगरा कला में एक दुखद घटना सामने आई। यहां के 34 वर्षीय किसान शैलेंद्र परिहार ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी।
शैलेंद्र अपने परिवार का बड़ा बेटा था। वह अपने छोटे भाई संदीप के साथ 9 बीघा जमीन पर खेती करता था। सुबह 10 बजे वह घर से निकला और शाम तक नहीं लौटा। उनकी पत्नी रूबी ने परिवार के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।
शाम करीब 6 बजे शैलेंद्र के मोबाइल से उनके चचेरे भाई अनिल को एक राहगीर ने फोन किया। जब अनिल परिवार के साथ मौके पर पहुंचा, तो शैलेंद्र का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला।
10 साल पहले शैलेंद्र की शादी रूबी से हुई थी। उनकी तीन बेटियां हैं - 7 वर्षीय तनु, 5 वर्षीय नित्य और 3 वर्षीय पीयूष। पूंछ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बाइक चला रहे युवक का एक्सीडेंट

मोंठ । झांसी में नेशनल हाईवे 27 पर एक युवक की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। 30 वर्षीय इरफान पुत्र मुमताज एक ढाबे के पास बाइक से गिर गया। 108 एंबुलेंस को सूचना मिलने पर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोठ पहुंचाया गया। अस्पताल में इरफान ने हंगामा शुरू कर दिया। इस पर डॉक्टरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इरफान को समझाया और उसका इलाज करवाया। हालत को देखते हुए उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटनास्थल पर मिली क्षतिग्रस्त बाइक की स्थिति से गंभीर दुर्घटना का अंदाजा लगाया जा सकता था। मेडिकल में भी इरफान को होश नहीं था कि वह कहां है। परिजनों के पहुंचने पर भी उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। वह अपने परिवार के सदस्यों को भी गालियां देता रहा।

शोक जताया

गुरसराय। ग्राम रानापुरा निवासी देवेंद्र सिंह राजू सेंगर ठेकेदार की माताजी के निधन पर हुई एक शोकसभा में अध्यापक संजय दोन्देरिया ,अमित प्रताप भदौरिया ,सुनील चौहान ,गुड्डू चौहान आदि ने गहरा दुख व्यक्त किया।

साहब, पैसा लेकर दिलाया जा रहा है मुख्यमंत्री आवास

ऑनलाइन किया था आवेदन, पाँच हजार रुपया लेकर लिस्ट से कर दिया नाम खारिज

झांसी जयूसं। साहब, मैने मुख्यमंत्री आवास को ऑनलाइन आवेदन किया था। सत्यापन भी हो चुका था। ग्राम प्रधान ने पार्टी को आवास दिलाए जाने के नाम पर उससे पांच हजार रुपया लिया था, लेकिन वर्तमान लिस्ट से उसका नाम खारिज कर दिया गया। ग्राम पक्के मकान वाले व्यक्तियों को जिनका पक्का मकान बना है, उनको रुपया लेकर सरकारी मुख्यमंत्री आवास दिलाया जा रहा है। यह बात मोंठ तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मोंठ थाना क्षेत्र के ग्राम बांगरी निवासी देवेन्द्र सिंह ने जिलाधिकारी से कही है। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए खंड विकास अधिकारी को जांच कर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पूंछ कसबे में रहने वाले आशीष कुमार ने शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उसने मौज़ा फ़तेहपुर स्टेट की गाटा संख्या 224 की अंश दुरुस्ती के लिए एसडीएम न्यायालय में वाद 38 का मुकदमा करीब एक माह पहले हरगोविंद निवासी पूंछ वनाम उत्तर प्रदेश सरकार के नाम से दायर किया था। जिसकी समस्त जांच होने के बाद भी फ़ाइल पिछले 15 दिनों से तहसीलदार के ऑफिस में लंबित है तथा जिस पर तहसीलदार के द्वारा किसी भी कार्रवाई पर साफ इंकार किया जा रहा है। प्रार्थी अपनी गाटा संख्या 224 की दुरुस्ती के लिए कई बार वाद 38 दायर का चुका है, लेकिन हर बार उसकी कोई सुनवाई नहीं होती है। शिकायतकर्ता ने बताया कि राजस्व विभाग मोंठ की लापरवाही के कारण ही मौज़ा फ़तेहपुर स्टेट की गाटा संख्या 224 में एक अन्य खातेदार का नाम जोड़ दिया गया है, जिसकी अंश दुरुस्ती के लिए पूर्व में उसके दादा शंकर (उम्र 87 वर्ष) पुत्र रामनाथ ने भी न्यायालय में वाद 38 दायर किया था जिसकी कोई सुनवाई नहीं हुई थी, जिसका सदमा वह सहन नहीं कर पाये और अंततः मेरे दादा की मृत्यु हो गई और अब मैं भी तहसील के चक्कर ही लगा रहा हूँ। उक्त प्रकरण की सही व निष्पक्ष जांच करते हुये उसकी भूमि की पैमाइश एवं अंश दुरुस्ती करने की कृपा करें। इस मामले में डीएम ने तत्काल उपजिलाधिकारी मोंठ को निष्पक्ष और पारदर्शी जाँच करते हुए कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

■ खंड विकास अधिकारी करेंगे जांच, दोषी पर होगी कार्रवाई

निस्तारित शिकायतों का मौके पर स्वयं करें परीक्षण

तहसील मोंठ के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने उपस्थित समस्त अधिकारियों से कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय सीमा और गुणवत्तापरक किया जाना सुनिश्चित किया जाए। आज प्राप्त शिकायतों को स्वयं संज्ञान में लेते हुए निस्तारित शिकायतों का मौके पर स्वयं परीक्षण करें ताकि शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत के निस्तारण से संतुष्ट होना भी सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ती, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट जी अक्षय दीपक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय, डीएफओ नीरज कुमार आर्या, एसडीएम अवनीश कुमार तिवारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित समस्त विभागों के जिलास्तरीय अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लॉक बबीना व बड़ागाँव के बीएलओ, सुपरवाईजरों का प्रशिक्षण आज

झांसी जयूसं। सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ उपजिलाधिकारी ने बताया है कि उप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार किये जाने का कार्य 19 अगस्त से 29 सितम्बर 2025 तक किये जाने के निर्देश दिये गये है। उपरोक्त के क्रम में नियुक्त बीएलओ एवं सुपरवाईजर को प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण कार्य 19 अगस्त 2025 को नवीन तहसील झांसी के सभागार में किया जायेगा, जिसमें विकास खण्ड बबीना के बीएलओ एवं सुपरवाईजरों को प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 12 बजे तक तथा विकास खण्ड बड़ागांव के बीएलओ एवं सुपरवाईजरों को प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण अपरान्ह 12 बजे से 01 बजे तक दिया जाएगा।
सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उपजिलाधिकारी ने विकास खण्ड बबीना एवं बड़ागांव के समस्त बीएलओ एवं सुपरवाईजरों को प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये है।

चार लुटेरों को दस - दस साल का कारावास

झांसी जयूसं। विशेष न्यायालय डकैती कोर्ट ने लूटपाट का आरोप सिद्ध होने पर चार लुटेरों को दस-दस साल का कारावास और 25 - 25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। गुरसरांय थाना क्षेत्र में रहने वाले इंद्रपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 23 जुलाई 2021 को सुढ़ा गांव के पास से गुजर रहा था, तभी चार लोगों ने उसे रोक लिया। तमंचा अड़ाकर लैपटाप व 75 हजार कैश लूट लिया था। इसके बाद बदमाश धमकी देकर चले गए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरु कर दी थी। बाद में पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र के मछली बाजार मोहल्ले में रहने वाले संजय उर्फ छोटू अहिरवार, चिरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम भिरौना निवासी विमल अहिरवार, शैलेंद्र अहिरवार और गुरसरांय थाना क्षेत्र के ग्राम सुढ़ा निवासी अमित खंगार को गिरफ्तार कर लिया था। इनके पास से लूट का माल बरामद किया गया था। बाद में पुलिस ने चारों लुटेरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। कुछ दिनों बाद आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इसी क्रम में अदालत ने लूटपाट का आरोप सिद्ध होने पर चारों आरोपियों को दस-दस साल का कारावास और 25-25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

तमंचा अड़ाकर 75 हजार कैश व लैपटाप की गई थी लूटपाट

अभियुक्त को तीन साल का कारावास

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फेसबुक पर फर्जी एकाउंट बनाकर तस्वीर लगाकरर लड़की को परेशान करने के आरोप सिद्ध होने पर अभियुक्त को तीन साल का कारावास और सात हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि प्रेमनगर थाना क्षेत्र के हंसारी में रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गांव में रहने वाले एक युवक ने उसकी पुत्री के नाम पर फेसबुक पर फर्जी एकाउंट बनाकर लड़की की तस्वीर लगा दी। इसके बाद बेटी को परेशान किया। पुलिस ने हंसारी निवासी रामू भास्कर के खिलाफ दफा 354 (डी), 509, 469, 66 आईटीएक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी रामू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी क्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने अभियुक्त रामू भास्कर को फर्जी एकाउंट बनाकर लड़की की तस्वीर लगाकर परेशान किए जाने के मामले में दोषी मानते हुए तीन साल का कारावास और सात हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

न्यूज ब्रीफ

टिकट चेकिंग में रेलयात्रियों से वसूला 21 हजार का राजस्व

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व तथा मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक मनोहर लाल मीणा के पर्यवेक्षण में झाँसी मंडल में विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी से ललितपुर खंड में संचालित गाड़ी संख्या 64616 एवं 11077 में तथा ललितपुर स्टेशन पर चलाया गया। इस दौरान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों पर कार्यवाही की गई। अभियान में कुल 60 प्रकरण दर्ज कर 21 हजार रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया। इस अभियान में मंडल के चेकिंग स्टाफ विशाल सिंह, प्रवीण तिवारी, सुश्री शालिनी धुरिया, सुश्री भारती कुशवाहा, अमित कपूर, आलोक खरे एवं एन.एस. यादव सम्मिलित रहे।

छठवें राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह के अंतर्गत पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

झाँसी जयूसं। समाज कार्य व्यवसाय, शिक्षण, प्रशिक्षण के भारत वर्ष के एकमात्र संगठन नेशनल एसोसिएशन फॉर प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (नापस्वी) के आव्हान पर समाज कार्य विभाग बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी द्वारा छठवें राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में चौथे दिन पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य परिवेश में समाज कार्य देखभाल एवं करुणा के मध्य सेतु की थीम पर विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर बनाए गए एवं स्लोगन लिखे गए । इस अवसर पर समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ.यतीन्द्र मिश्र, आयोजन सचिव डॉ. मुहम्मद नईम, सह संयोजक डॉ. नेहा मिश्रा, डॉ.अनूप कुमार, गुंजा चतुर्वेदी, रत्नेश लिटौरिया, इकबाल खान उपस्थित रहे ।

बिजली केबिल पर लाईलॉन की रस्सी से फांसी के फंदे पर झूलकर अधेड़ ने आत्महत्या

चिरगांव (झांसी)। चिरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पचार में एक व्यक्ति ने अपने घर की छत के किनारे से निकली बिजली की केबल में लाईलॉन की रस्सी से गले में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली गई ।पुलिस सूचना के अनुसार मृतक राकेश अहिरवार पुत्र स्व खरगे अहिरवार उम्र करीब 40 वर्ष निवासी ग्राम पचार थाना चिरगांव जिला झांसी का मूल निवासी था ।बताया जा रहा कि अधेड़ ने अपनी छत के किनारे से निकली बिजली की केविल पर लाईलॉन की रस्सी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना प्राप्त होते ही चिरगांव थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ शीघ्र ही घटना स्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटे व शव विच्छेदन हेतु झांसी मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।

होटल व्यवसाय व पर्यटन उद्योग में विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल : प्रदीप तिवारी

झाँसी जयूसं। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान के निदेशक प्रो. देवेश निगम ने बताया कि आज संस्थान के कैम्पस मेंछात्र-छात्राओं की मौखिक परीक्षा का आयोजन हुआ । कुलपति की संस्तुति पर पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान में परीक्षक बनकर पहुंचे क्षेत्र के जाने माने आतिथ्य एवं पर्यटन विशेषज्ञ एवं भारतीय पर्यटन विकास समिति के सचिव डॉ. प्रदीप कुमार तिवारी, आम्रपाली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, देहरादून से आए विपुल अग्रवाल एवं होटल रीजेंटा के शेफ संजय शर्मा ने छात्र छात्राओं से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होटल व्यवसाय एवं पर्यटन के विषय पर आधारित प्रश्न पूछे एवं उन्होंने छात्र छात्राओं द्वारा होटल एवं पर्यटन सर्किट पर आधारित तैयार प्रोजेक्ट रिपोर्ट का अवलोकन किया। डॉ प्रदीप कुमार तिवारी ने उपस्थित छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि होटल व्यवसाय एवं पर्यटन उद्योग में छात्र-छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल है। अध्ययन करने के पश्चात देशी एवं विदेशी कंपनियों में टूर मैनेजर एवं ट्रेवल गाइड के रूप में अपना करियर बना सकते हैं अथवा पर्यटन के क्षेत्र में अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं।
इस अवसर पर पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान के निदेशक प्रो. देवेश निगम , डॉ संजय निबोरिया, डॉ. सुधीर द्विवेदी, डॉ .आशीष सेठ, प्रो. प्रणव भार्गव , अंकुर चाचरा , जयकिशन पुरोहित एवं अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रहे ।

झांसी मंडल ने समयपालन में बनाया नया कीर्तिमान

झांसी जयूसं। झाँसी मंडल ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समयपालन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल की ट्रेन समयपालन प्रतिशत 95.80 प्रतिशत रही, जो कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों तथा कोविड-19 के बाद की अवधि में अब तक की सबसे उच्च उपलब्धि है। इससे पूर्व 15 मार्च 2025 को सर्वश्रेष्ठ समयपालन 95.10 प्रतिशत दर्ज की गई थी। विशेष उल्लेखनीय है कि 16 अगस्त 2025 को भी मंडल का समयपालन 93.05 प्रतिशत रहा। इस दौरान झाँसी मंडल ने 91 प्रतिशत एवं 89 प्रतिशत की रोलिंग ब्लॉक दक्षता भी दर्ज की, जो परिचालन की दृष्टि से उल्लेखनीय उपलब्धि है। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई दी। भविष्य में इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया, जिससे मंडल इसी प्रकार की उपलब्धि निरंतर जारी रखे।

बाबा भूतनाथ क्लब ने फोड़ी मटकी, मिला 35 हजार का इनाम

झाँसी जयूसं। बड़ा गांव गेट स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में आयोजित भव्य जन्माष्टमी महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं को भक्ति, संस्कृति और उत्सव की अनोखी अनुभूति हुई और भव्य मटकी फोड़ आयोजन हुआ बाबा भूतनाथ क्लब टीम ने मटकी फोड़ी जिसको मटकी की ईनाम 35 हजार रुपये दी गई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बांके बिहारी मंदिर पर हुए हरिनाम संकीर्तन ने वातावरण को कृष्णमय कर दिया। तत्पश्चात दधी से भरी मटकी फोड़ी गई वहीं मटकी का पूजन शहर कोतवाल राजेश पाल सिंह, चौकी प्रभारी बड़ागांव गेट आशीष धामा और मंदिर प्रबंधक भोला शंकर माते ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी संदीप सरावगी ने बढ़चढ़ का हिस्सा लिया। मटकी फोड़ आयोजन में 5 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें हर टीम को एक एक बार मौका दिया गया जिसके बाद करीब 6 घंटे बाद बाबा भूतनाथ क्लब टीम ने मटकी फोड़ी, वही मटकी की ईनाम राशि 1100 रूपये रखी गई थी जोकि बढ़ते बढ़ते मटकी की ईनाम राशि 35 हजार रुपए हुई और बाबा भूतनाथ क्लब टीम ने मटकी फोड़ कर मंदिर के प्रबंधक भोला शंकर माते और मंदिर पुजारी अंजू महाराज, अमित ने टीम के कप्तान का टीका किया और उनको ईनाम की राशि दी। इस अवसर पर अमित रावत, राजेंद्र पचौरी, जिनेन्द्र झां, ओमप्रकाश विश्वारी, कल्लू सेन, मन्नी सरदार, बबलू सेन, सौरभ साहू बिल्डिंग मटेरियल वाले, सुरेंद्र यादव, विनायक चंद्रा, रवि रायकवार,सोनू महाराज, रामनारायण सेन, बाबा सेन, सुरेन्द्र श्रीवास, नरेश शर्मा, नरेंद्र, गौरव गुप्ता, अनूप रावत कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त भज्जू यादव ने किया।

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होगी 30वीं अखिल भारतीय रबी दलहन की वार्षिक बैठक

■ देश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बनेगी रणनीति

झाँसी जयूसं। रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी में 30वीं अखिल भारतीय समन्वित रबी दलहन परियोजना की वार्षिक बैठक का आयोजन 19 से 21 अगस्त 2025 तक किया जा रहा है। इस बैठक का उद्घाटन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (आईसीएआर) एवं कृषि शोध एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सचिव डॉ. मांगी लाल जाट करेंगे। साथ ही भारत सरकार में संयुक्त सचिव -प्रसार व दलहन, संजय कुमार अग्रवाल -आईएएस, विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार की दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता एवं कृषि प्रसार से संबंधी नीतियों की चर्चा करेंगें।
इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के फसल विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक डॉ. डी.के. यादव भी शामिल होंगे। बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, (आईसीएआर) के विभिन्न संस्थानों से लगभग आठ निदेशकगण, सहायक महानिदेशक (दलहन एवं तिलहन) एवं प्रदेश सरकार के कृषि अधिकारियों सहित 150 से 160 कृषि वैज्ञानिक भागीदारी करेंगे। बुन्देलखण्ड के किसानों के लिए बड़ा अवसर - बुन्देलखण्ड क्षेत्र में दलहनी फसलों की खेती की समृद्ध परंपरा रही है। विशेषकर झाँसी एवं जालौन जनपद मटर उत्पादन में अपना विशेष स्थान रखते हैं।
कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि इस बैठक से दलहनी फसलों में चल रहे शोध एवं विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। विश्वविद्यालय वर्तमान में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों के लिए लगभग 1200 क्विंटल दलहनी फसलों के बीज का उत्पादन कर रहा है। जिससे क्षेत्र के किसानों को लाभ हो रहा है। उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम - निदेशक शोध डॉ. एस.के. चतुर्वेदी ने बताया कि इस वार्षिक बैठक में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी, जिससे भारत को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही बैठक में शोध एवं विकास की ऐसी योजनाएँ बनाई जाऐंगी, जिनसे देश में दलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ाया जा सकेगा और दलहन के आयात में कमी की जा सकेगी।
देशभर के वैज्ञानिक भागीदारी सुनिश्चित करेंगे - इस वार्षिक बैठक में देशभर से आए कृषि वैज्ञानिक नवीनतम शोध कार्यों, किस्मों के विकास, उत्पादन तकनीकों और बीज उपलब्धता जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस बैठक की किसानों के हित में उपयोगी तकनीक के प्रसार तथा दलहन उत्पादन को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

संरक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कर्मचारियों को किया सम्मानित

झाँसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के नेतृत्व में आज झाँसी मंडल में संरक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य करने वाले कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन कर्मचारियों को प्रदान किए गए जिन्होंने असामान्य परिस्थितियों में सतर्कता और तत्परता का परिचय देते हुए संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन कर्मचारियों की सेवा भावना, सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए प्रत्येक को एक हजार रुपए की नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें सुग्रीव सिंह, ट्रैकमैन ङ्क यूनिट 07/जीरोन, रजनीश कुमार पासवान, ट्रैकमैंटनर/धौर्रा, अजय कश्यप, पेट्रोलमैन - फूप, सौरव कुमार - पेट्रोलमैन फूप, रामलखन ट्रैकमेंटेनर, - पुखरायां, उमंग बाबू, कांटेवाला - खरगापुर, राजेश कुमार मीणा, वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर- झांसी, विक्रम कुमार, लोको पायलट गुड्स -झांसी, एच एस आर्या - लोको पायलट मेल झांसी, सुमित शिवहरे -सहायक लोको पायलट/झांसी, प्रेम चंद्र कुशवाहा - लोको पायलट गुड्स/ झांसी, प्रीतम सिंह कुशवाहा - सहायक लोको पायलट/झांसी शामिल रहे है।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी